Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000 9770888888

दैनिक

साकार भारत

रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 201 पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 रायपुर, मंगलवार 04 अगस्त, 2026 www.sakarbharat.com

प्रधानमंत्री मोदी ने किया नशा मुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान का शुभारंभ

देशभर के 25 हजार केंद्रों से एक करोड़ से अधिक युवाओं ने लिया नशा मुक्ति का संकल्प

रायपुर। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत मेरा युवा भारत द्वारा देशव्यापी नशा मुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देशभर के युवाओं को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए नशा मुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

देशभर के लगभग 25 हजार केंद्रों पर एक साथ आयोजित इस अभियान में एक करोड़ से अधिक युवाओं ने वर्चुअल माध्यम से सहभागिता की। कार्यक्रम में रूड्ड क्कद्धड्डह्लड्डह्ल के स्वयंसेवकों, राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्रस्र), युवा क्लबों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों तथा सामाजिक एवं आध्यात्मिक संस्थाओं की उल्लेखनीय भागीदारी रही।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर 100 सप्ताह तक संचालित होने वाले नशा मुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान का शुभारंभ किया। अभियान के अंतर्गत प्रत्येक रविवार देशभर में जनजागरूकता, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, फिटनेस गतिविधियां, योग एवं ध्यान, सामुदायिक सहभागिता तथा अन्य रचनात्मक आयोजनों के माध्यम से युवाओं को नशा मुक्ति के प्रति जागरूक किया जाएगा।

जशपुर जिले में अभियान के तहत एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, घोलेंग में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों एवं युवाओं ने प्रधानमंत्री का लाइव संबोधन देखा और सुना। विद्यालय के प्राचार्य श्री दुर्गेश पाठक ने युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ, अनुशासित एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया तथा सभी उपस्थित विद्यार्थियों एवं युवाओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में युवाओं ने नशे के विरुद्ध जनजागरूकता फैलाने तथा स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार समाज के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। अभियान के माध्यम से युवाओं को विकसित भारत के निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

SHORT NEWS

NEET PG-एक ही शिफ्ट में पेपर, घर के पास सेंटर

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने **NEET PG** 2026 परीक्षा के लिए कई बड़े सुधारों की घोषणा की है। इसमें परीक्षार्थियों की यात्रा और परीक्षा में किसी भी प्रकार की धांधली रोकने के लिए कड़े कदम उठाए गए हैं। इस बार परीक्षा 30 अगस्त को होनी है। इसके लिए 2.73 लाख उम्मीदवारों ने रजिस्ट्रेशन कराया है, जो पिछले साल की तुलना में 12.5% ज्यादा है। परीक्षा देशभर के 340 शहरों के लगभग 1300 सेंटर्स पर होगी।

602 करोड़ की नई ब्रॉडगेज लाइन के लिए टेंडर जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के चिरमिरी क्षेत्र को जल्द ही बेहतर रेल कनेक्टिविटी की बड़ी सौगात मिलने जा रही है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) ने पाराडोल से नागपुर रोड स्टेशन तक नई ब्रॉडगेज सिंगल रेल लाइन बिछाने तथा मौजूदा बोरीडांड-चिरमिरी लाइन के स्लूइंग कार्य के लिए ई-निविदा (ई-टेंडर) आमंत्रित कर दी है।

स्ट्रेंथिंग डिजिटल जस्टिस राज्य स्तरीय कार्यशाला

आम नागरिक को त्वरित, पारदर्शी और समयबद्ध न्याय दिलाना नए कानूनों का मूल उद्देश्य: सीएम

रायपुर। वर्तमान समय की आवश्यकताओं और बदलती चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए नए आपराधिक कानून भारत की न्याय व्यवस्था में ऐतिहासिक परिवर्तन के वाहक बने हैं। इन कानूनों का उद्देश्य केवल अपराधियों को दंडित करना नहीं, बल्कि आम नागरिक को त्वरित, पारदर्शी, सुलभ और समयबद्ध न्याय उपलब्ध कराना है। आधुनिक तकनीक, डिजिटल प्रणालियों और वैज्ञानिक साक्ष्यों को न्याय प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा बनाकर न्याय व्यवस्था को अधिक प्रभावी, विश्वसनीय और जवाबदेह बनाया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर में आयोजित 'स्ट्रेंथिंग डिजिटल जस्टिस' राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगभग डेढ़ सौ वर्ष पुराने औपनिवेशिक कानूनों के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू किए गए हैं। इन कानूनों की मूल भावना नागरिक-केंद्रित न्याय व्यवस्था की स्थापना है, जिसमें पीड़ित को शीघ्र न्याय मिले और अपराधी कानून के शिकंजे से बच न सके।

उन्होंने कहा कि पुराने कानून ऐसे समय में बने थे, जब डिजिटल तकनीक, सीसीटीवी, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड और आधुनिक फॉरेंसिक विज्ञान का अस्तित्व नहीं था। आज अपराधों की प्रकृति बदल चुकी है और तकनीक न्याय व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा बन गई है। नए कानूनों ने डिजिटल साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल चैट, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तथा वैज्ञानिक फॉरेंसिक जांच को विधिक मान्यता देकर अपराध अनुसंधान और अभियोजन को नई मजबूती प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी की शाखा प्रारंभ होने से अपराध अनुसंधान और न्यायिक प्रक्रिया को नई दिशा मिलेगी। ई-साक्ष्य जैसी व्यवस्था इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के सुरक्षित संरक्षण और उनकी प्रामाणिकता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक के उपयोग से न्याय प्रक्रिया पहले की तुलना में कहीं अधिक तेज और प्रभावी हुई है। पहले समन की तामील में कई दिन लग जाते थे, जबकि अब ई-समन के माध्यम से सूचना तत्काल संबंधित व्यक्ति तक पहुंच रही है और उसकी डिजिटल ट्रैकिंग भी संभव हो गई है। न्याय श्रुति जैसी व्यवस्था न्यायालयीन कार्यवाही के सुरक्षित डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने के साथ-साथ ऑनलाइन एवं हाइब्रिड सुनवाई को भी अधिक सक्षम बना रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम (सीसीटीएनएस) के माध्यम से देशभर के पुलिस थाने डिजिटल रूप से एक-दूसरे से जुड़े हैं। इससे अपराधियों का रिकॉर्ड तत्काल उपलब्ध हो जाता है और पुलिस को त्वरित कार्रवाई में सुविधा मिलती है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के सभी थाने ऑनलाइन मोड में कार्यरत हैं तथा राज्य में अब तक 1 लाख 97 हजार 547 एफआईआर ऑनलाइन दर्ज की जा चुकी हैं। नागरिकों को डिजिटल हस्ताक्षरित एफआईआर की प्रति भी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है।

राष्ट्रपति भवन में गूंजी बस्तर की जनजातीय संस्कृति

रायपुर। बस्तर के घने जंगलों, अनूठी सामाजिक व्यवस्था और समृद्ध जनजातीय विरासत की गूंज अब देश के सर्वोच्च मंच राष्ट्रपति भवन तक जा पहुंची है। नारायणपुर जिले के पारंपरिक मांझी-चालकी और 'बस्तर पंडुम' प्रतियोगिता के विजेताओं का एक विशेष प्रतिनिधिमंडल हाल ही में नई दिल्ली पहुंचा, जहां उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति से सौजन्य मुलाकात की। इस आत्मीय भेंट के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति को बस्तर की जीवंत परंपराओं, लोक कलाओं और सदियों पुरानी सांस्कृतिक पहचान से रूबरू कराया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को बस्तर की सांस्कृतिक पहचान से रूबरू कराने के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने 30 जुलाई 2026 में राष्ट्रपति भवन का दौरा किया, जिसमें बस्तर पंडुम के विजेता, मांझी-चालकी और पद्मश्री सम्मानित कलाकार शामिल थे। इस ऐतिहासिक यात्रा की शुरुआत 27 जुलाई को नारायणपुर से हुई थी, जब नगरपालिका अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल ने हरी झंडी दिखाकर इस दल को दिल्ली के लिए रवाना किया था।

पूरे जिले के लिए यह एक अत्यंत गर्व का क्षण था। इसके बाद 30 जुलाई को दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में बस्तर की जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय पटल पर प्रस्तुत करने का यह सुनहरा अवसर आया।

मुलाकात के दौरान बस्तर की कला और परंपरा के प्रमुख ध्वजवाहकों ने अपनी माटी का प्रतिनिधित्व किया। इनमें 'बस्तर पंडुम' के जनजातीय आभूषण विधा की विजेता मुंगड़ी कोर्राम और सुदनी दुग्गा शामिल थीं, जिन्होंने पारंपरिक आभूषणों के सौंदर्य और उनके सांस्कृतिक महत्व की जानकारी साझा की।

यूनियन क्लब रायपुर की वार्षिक आम सभा संपन्न, गुरुचरण सिंह होरा लगातार एक बार फिर निर्विरोध बने अध्यक्ष

रायपुर। यूनियन क्लब छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के हृदय स्थल मोतीबाग चौक में स्थापित है। जो आजादी से पहले 1902 से अपनी सेवाएं दे रहा है। इस ऐतिहासिक क्लब ने वक्त के साथ खुद को अपग्रेड किया । आज इस क्लब में अतरराष्ट्रीय स्तर के खेल सुविधाएं हैं। जिसमे प्रमुख तौर पर लॉन टेनिस, बैडमिंटन, टेबल टेनिस,स्वीमिंग पूल है। इस क्लब में शारीरिक कसरत के लिए सर्वसुविधायुक्त जिम की भी व्यवस्था है। आज शनिवार को जी एस भांबरा की अध्यक्षता में यूनियन क्लब की वार्षिक आम सभा सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में बड़ी संख्या में क्लब के सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में क्लब के विकास, वित्तीय व्यवस्था, भविष्य की योजनाओं तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान क्लब की लीज़ एवं एनओसी, लंबित सदस्यता शुल्क एवं बकायेदारों पर कार्रवाई, जीएसटी एवं कॉर्पोरेशन टैक्स का भुगतान, क्लब परिसर में मरम्मत एवं विकास कार्य, बार एवं रेस्टोरेंट के बेहतर संचालन सहित कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही क्लब के विकास में विशेष योगदान देने वाले सदस्यों का सम्मान करने का भी निर्णय लिया गया।

सभा में वर्ष 2026-31 के लिए यूनियन क्लब की नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया भी संपन्न हुई। चुनाव अधिकारी समीर खान की देखरेख में पूरी चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण, पारदर्शी और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। गुरुचरण सिंह होरा को लगातार एक बार फिर यूनियन क्लब, रायपुर का अध्यक्ष चुना गया, वहीं डॉ अतुल शुक्ला को सर्वसम्मति से सचिव चुना गया। इसी प्रकार उपाध्यक्ष, संयुक्त सचिव, कोषाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्यों का भी निर्विरोध निर्वाचन हुआ। निर्वाचन प्रक्रिया चुनाव अधिकारी समीर खान के द्वारा सम्पन्न की गई।

एक बार फिर अध्यक्ष चुने जाने पर गुरुचरण सिंह होरा ने क्लब के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं, बल्कि पूरे यूनियन क्लब परिवार का है। उन्होंने कहा कि सभी सदस्यों के विश्वास और सहयोग से क्लब को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने क्लब के आधुनिकीकरण, बेहतर सुविधाओं के विस्तार और सदस्य हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संकल्प दोहराया।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में क्लब में आधारभूत सुविधाओं को और मजबूत किया जाएगा, खेल, सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों का विस्तार होगा तथा यूनियन क्लब को प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ क्लबों में शामिल करने के लिए पूरी कार्यकारिणी मिलकर कार्य करेगी।

नवनियुक्त पदाधिकारियों की लिस्ट

यूनियन क्लब, रायपुर (2026-31)

अध्यक्ष - गुरुचरण सिंह होरा

सचिव - डॉ अतुल शुक्ला

उपाध्यक्ष

विजय अग्रवाल
धर्मपाल कलश
राज थौरानी
सुरेश कुकरेजा

संयुक्त सचिव

नरेश चंद्र गुप्ता
प्रकाश कलश
गुरिंदर पाल सिंह जुनेजा
तरणजीत सिंह होरा

कोषाध्यक्ष - चरणजीत सिंह ओबेरॉय

कार्यकारिणी सदस्य

अशोक खूबचंदानी
रविंदर विंकी दत्ता
मंशा मेंघानी
प्रदीप मथानी
राजेश वासवानी
अभिजीत मिश्रा
अब्बास अली
हरदीप हयर

इसके अलावा एसोसिएट उपाध्यक्ष

मनोज गंगवानी
राजेश चतरथ

एसोसिएट संयुक्त सचिव

अवतार जुनेजा
सुनील सुराणा
किशोर खेतपाल

एसोसिएट कार्यकारिणी सदस्य

ऋषि कुमार बंछोर
विजय विश्वकर्मा
ऋषि राज सिंघानिया
कल्याण सिंह ठाकुर

चुनाव अधिकारी - समीर खान

कार्यक्रम का मंच संचालन रूपेंद्र सिंह चौहान ने किया, वहीं आभार प्रदर्शन डॉ अतुल शुक्ला ने किया।

स्मार्ट मीटर और बिजली दर वृद्धि के विरोध में कांग्रेस का अभियान

बलौदाबाजार । महंगी बिजली, बढ़े हुए बिजली बिल और स्मार्ट मीटर के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी बलौदाबाजार ने शनिवार को पत्रकार वार्ता आयोजित कर प्रदेशव्यापी जनजागरण अभियान की घोषणा की। कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुमित्रा घृतलहरे ने बताया कि पार्टी 1 अगस्त से 10 सितंबर तक घर-घर जाकर विद्युत उपभोक्ताओं से आवेदन पत्र भरवाएगी और उन्हें बिजली वितरण कंपनी के संबंधित कार्यालयों में जमा कर विरोध दर्ज कराएगी। पत्रकार वार्ता में विधायक इंद्र साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ को हमेशा बिजली अधिशेष (सरप्लस) राज्य माना जाता रहा है, लेकिन वर्तमान सरकार लगातार बिजली दरों में वृद्धि कर आम जनता पर आर्थिक बोझ डाल रही है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेन्द्र शर्मा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं को आर्थिक सहायता देने की घोषणा की, वहीं दूसरी ओर बिजली बिलों में वृद्धि कर आम उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ा दी है। पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में बिजली बिल हाफ योजना लागू थी, जबकि वर्तमान सरकार ने कई बार बिजली दरों में वृद्धि की है। पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश यदु ने भी बढ़े हुए बिजली बिलों और स्मार्ट मीटर का विरोध करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी। जिलाध्यक्ष सुमित्रा घृतलहरे ने आरोप लगाया कि घरेलू, गैर-घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं के लिए बिजली दरों में बढ़ोतरी की गई है तथा स्मार्ट मीटर लागू होने के बाद मनमानी बिलिंग और पारदर्शिता की कमी की शिकायतें सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि सरकार बिजली दर वृद्धि और स्मार्ट मीटर की व्यवस्था वापस नहीं लेती है तो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के जिला, ब्लॉक, ग्रामीण और बूथ स्तर के कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करेंगे तथा उनसे आवेदन पत्र भरवाएंगे। इन आवेदनों को विद्युत वितरण कंपनी के संभागीय कार्यालय में जमा कर विरोध दर्ज कराया जाएगा। कांग्रेस ने बिजली दर वृद्धि वापस लेने, स्मार्ट मीटर व्यवस्था समाप्त करने तथा 400 यूनिट बिजली बिल हाफ योजना पुनः लागू करने की मांग की है।

पत्रकार वार्ता में बलौदा बाजार मंडल अध्यक्ष प्रवीण सेन, लखेश साहू, सुरेन्द्र जायसवाल, सुनील कुर्रे, सरजू प्रसाद धृतलहरे, कालिंदी वर्मा, गणेश शंकर साहू, आर्यन शुक्ला, अमर मिश्रा, संतोष यादव, नीरज बांधे एवं कृष्णा टंडन सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चिकित्सक सम्मान समारोह 2026 में डॉ. संस्कार दुबे हुए सम्मानित

छुईखदान । शहीद नगरी छुईखदान के लिए यह गर्व का क्षण है कि यहां की कर्मभूमि को अपना कार्यक्षेत्र बनाकर ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे डॉ. संस्कार दुबे को चिकित्सक सम्मान समारोह 2026 में उत्कृष्ट चिकित्सा सेवा के लिए सम्मानित किया गया। रायपुर स्थित होटल बेबीलोन में आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने नई दुनिया एवं दैनिक जागरण समूह की ओर से डॉ. संस्कार दुबे को श्रेष्ठ चिकित्सा सेवा के लिए सम्मानित किया। डॉ. संस्कार दुबे, छुईखदान निवासी संजय दुबे के पुत्र हैं। वर्तमान में उनकी पदस्थापना ग्राम पंचायत गातापार नाका में है, जो छुईखदान मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित है। और वनांचल क्षेत्र में उनकी समर्पित सेवाओं और मरीजों के प्रति संवेदनशील कार्यशैली की सराहना की जा रही है।

डोगरगढ कटघोरा रेल लाइन को स्वीकृति

राजनांदगांव । छुरिया वर्षों से लंबित डोंगरगढ कटघोरा नई रेल लाइन परियोजना को आखिरकार स्वीकृति मिलने से पूरे राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र में खुशी का माहौल है। रेल मंत्रालय एवं छत्तीसगढ़ शासन की संयुक्त बैठक में इस महत्वाकां परियोजना को हरी झंडी मिलने के बाद इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। सांसद मीडिया प्रभारी राधेश्याम शर्मा ने कहा कि यह सौगात राजनांदगांव सांसद संतोष पांडेय के लगातार अथक प्रयासों, निरंतर अनुश्रवण और प्रभावी पहल का परिणाम है। उन्होंने बताया कि सांसद पांडेय ने इस बहुप्रतीक्षित रेल परियोजना को स्वीकृति दिलाने के लिए समय-समय पर रेल मंत्रालय, केंद्र एवं राज्य सरकार के समक्ष क्षेत्र की आवश्यकताओं को प्रमुखता से रखा, जिसके सकारात्मक परिणाम आज सामने आए हैं। उन्होंने इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए सांसद संतोष पांडेय, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू के प्रति क्षेत्रवासियों की ओर से आभार व्यक्त किया।

55 प्रतिशत अनुदान से स्थापित की ड्रिप सिंचाई प्रणाली, कम पानी में बढ़ा उत्पादन और आय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती के लिए निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों को नई तकनीकों से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने के प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों के तहत संचालित सूक्ष्म सिंचाई योजना किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही है। योजना के अंतर्गत ड्रिप एवं स्प्रिंकलर जैसी आधुनिक सिंचाई प्रणालियों पर अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे कम पानी में अधिक उत्पादन संभव हो रहा है।

सरगुजा जिले के विकासखंड लुण्ड्रा अंतर्गत ग्राम पंचायत झेराडीह के प्रगतिशील किसान आनन्द राम पैकरा ने सूक्ष्म सिंचाई योजना का लाभ लेकर अपनी खेती को आधुनिक तकनीक से जोड़ा है। उनके पास कुल 0.909 हेक्टेयर कृषि भूमि है, जिसमें 0.509 हेक्टेयर में धान तथा 0.400 हेक्टेयर में टमाटर एवं गोभी जैसी सब्जियों की खेती की जाती है। उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहयोग से उन्होंने लगभग डेढ़ एकड़ क्षेत्र में ड्रिप सिंचाई प्रणाली स्थापित की, जिसके लिए उन्हें शासन से 55 प्रतिशत अनुदान प्राप्त हुआ।

आनन्द राम पैकरा बताते हैं कि पहले पारंपरिक सिंचाई पद्धति में अधिक पानी, समय और श्रम लगता था तथा खेत में समान रूप से सिंचाई करना कठिन होता था। ड्रिप सिंचाई प्रणाली अपनाने के बाद पानी सीधे पौधों की जड़ों तक आवश्यक मात्रा में पहुंच रहा है। इससे जल की बचत होने के साथ पौधों का विकास बेहतर हुआ है और फसल की गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार आया है। उन्होंने बताया कि ड्रिप प्रणाली के माध्यम से उर्वरकों का उपयोग भी अधिक प्रभावी ढंग से किया जा रहा है। पौधों को आवश्यकता के अनुसार पोषक तत्व मिलने से टमाटर एवं गोभी की फसल अधिक स्वस्थ और गुणवत्तापूर्ण तैयार हो रही है। उत्पादन बढ़ने के साथ खेती की लागत में कमी आई है, जिससे सब्जी उत्पादन पहले की अपेक्षा अधिक लाभकारी बन गया है।

राज्य शासन द्वारा सूक्ष्म सिंचाई जैसी आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देकर जल संरक्षण, उत्पादन वृद्धि और किसानों की आय में बढ़ोतरी के लक्ष्य को साकार किया जा रहा है। सरगुजा सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में किसान शासन की योजनाओं का लाभ लेकर पारंपरिक खेती से आगे बढ़ते हुए वैज्ञानिक एवं तकनीक आधारित कृषि को अपना रहे हैं, जिससे कृषि अधिक टिकाऊ, लाभकारी और आत्मनिर्भर बन रही है।

सिंगल युज प्लास्टिक को लेकर नपा अधिकारी ने दुकानों में दी दबिश

सारंगढ़। नपा परिषद सारंगढ़ द्वारा सिंगल यूज़ प्लास्टिक प्रतिबंध के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु नगर क्षेत्र के प्रमुख बाजारों, होटल, रेस्टोरेंट, किराना एवं अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दुकानदारों को प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, एवं शासन द्वारा प्रतिबंधित सिंगल यूज़ प्लास्टिक के संबंध में विस्तृत जानकारी एवं आवश्यक समझाइश दी गई। प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री का उपयोग एवं विक्रय न करने की सख्त हिदायत दी गई तथा कपड़े, जूट एवं अन्य पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। सिंगल यूज़ प्लास्टिक प्रतिबंध के नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई एवं जुर्माना वसूला गया। सभी व्यापारियों को भविष्य में प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग, भंडारण एवं विक्रय न करने की चेतावनी दी गई। नगरपालिका परिषद सारंगढ़ द्वारा यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियम अनुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी । आम नागरिकों से भी अपील की जाती है कि वे सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग न करें तथा स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त सारंगढ़ बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें। पशु धन विकास विभाग के द्वारा किए गए अब तक के ऑपरेशन में यह बात आई हैं कि लोगों के द्वारा फेंके गये प्लास्टिक सहित खाद्य पदार्थ खाकर गाय वंशजों की जान जा रही है।

वी क्लब डोंगरगढ़ मां बमलेश्वरी शपथ ग्रहण सम्पन्न

डोंगरगढ़। द एसोसिएशन ऑफ वी क्लब ऑफ इंडिया वी क्लब द्वारा नवीन कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन गरिमामय एवं उत्साह पूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी सदस्यों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता का पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। सभी अतिथि को मंचासीन किया गया। मुख्य अतिथि शपथ अधिकारी वी माधुरी जी जो क्लब की फाउंडर मेंबर है विशिष्ट अतिथि अनुराधा द्विवेदी मनोनीत विशेष अतिथि उषा किरण शाह, मनोनीत एरिया एडवाइजर का स्वागत किया गया मुख्य अतिथि एवं शपथ अधिकारी द्वारा नवीन कार्यकारिणी टीम को पद एवं गोपनीयता की शपथ रोचकपूर्ण दिलाई गई। अध्यक्ष वी भावना सिंह, सचिव वी नम्रता दम्मनी, कोषाध्यक्ष वी ममता साहू एवं सभी पदाधिकारी ने सेवा समर्पण निष्ठा एवं उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प लिया।

आमगांव पी एस को मॉडल स्कूल बनाने अहम बैठक जनपद अध्यक्ष संजय हुए शामिल

छुरिया। विकासखंड के आमगांव (छु.) के प्राथमिक विद्यालय को मॉडल स्कूल के तौर पर तैयार करने के लिए बैठक आहूत की गई । इस बैठक में मुख्यरूप से संजय कुमार सिन्हा अध्यक्ष जनपद पंचायत छुरिया,पलनी स्वामी नायडू सभापति, उभे राम मंडावी जनपद सदस्य,सरपंच मेश्राम,वर्मा सर,साहू सर सहित अन्य शिक्षकगण मौजूद रहे । बैठक को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा कि आज हम अपने जनपद क्षेत्र में एक मॉडल स्कूल की स्थापना का आशय शाला में मौजूद शिक्षकों के द्वारा ही शिक्षण कार्य कराया जाएगा । जैसे महत्वपूर्ण विषय पर विचार-विमर्श करने के लिए एकत्रित हुए हैं। यह केवल एक भवन बनाने की योजना नहीं है, बल्कि हमारे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखने का संकल्प है।

मॉडल स्कूल का उद्देश्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक सुविधाएँ, विज्ञान एवं कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ, समृद्ध पुस्तकालय, खेलकूद की व्यवस्था और प्रशिक्षित शिक्षकों के माध्यम से बेहतर सीखने का वातावरण प्रदान करना है। इससे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों के बीच शिक्षा की गुणवत्ता का अंतर भी कम होगा। हम सभी का दायित्व है कि इस योजना को सफल बनाने में अपना सहयोग दें। जनप्रतिनिधियों, प्रशासन, शिक्षकों, अभिभावकों और समाज के सभी वर्गों को मिलकर कार्य करना होगा ताकि यह विद्यालय शिक्षा का आदर्श केंद्र बन सके।

हम सभी यह संकल्प लें कि मॉडल स्कूल का निर्माण समय पर, गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी तरीके से पूरा हो तथा हमारे बच्चों को बेहतर शिक्षा और बेहतर भविष्य मिल सके। वैसे इस स्कूल से जो बच्चे पढ़कर नवोदय विद्यालय,एकलव्य विद्यालय जैसे अनेकों प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल कर रहे है,आमगांव स्कूल की पहचान बन गई है । इस अवसर पर पालक, जनप्रतिनिधि,ग्रामीणजन बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

शासकीय प्राथमिक शाला जुझारा में गुरु पूर्णिमा धूमधाम से मनाया

छुईखदान । संकुल केन्द्र ठाकुरटोला विकास खण्ड छुईखदान के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला जुझारा में शाला नायक कु ज्योति साहू एवं अमृता यादव ने गुरु पूर्णिमा में गुरु देव संत शिरोमणि रवि दास जी की तेलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर संत शिरोमणि रवि दास जी की पूजा अर्चना किया गया। इस तरह प्रतिवर्ष के तरह इस वर्ष भी शाला याद करते बड़ी धूमधाम से आषाढ गुरु पूर्णिमा मनाया गया,शाला के बच्चों ने संतो से प्रेरणा लेते हुए जीवन में गुरुओ की आदर व नमन किया गया।इस अवसर पर संस्था प्रमुख संजीव कुमार ध्रुव,ने गुरु की महिमा को सभी बच्चों को सुनाया व शिक्षक मोहित कुमार धुर्वे ने गुरु पूर्णिमा पर संत शिरोमणि रवि दास जी की जीवनी पर प्रकाश डाला और बच्चों को उससे। प्रेरणा लेने की बात की इस शुभ अवसर पर मुकेश कुमार साहू,और राज बाई विश्वकर्मा उपस्थित थे ।

कलेक्टर ने छुईखदान में जिले की पहली पान दुकान का किया शुभारंभ

छुईखदान । खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में पान की पारंपरिक खेती को नई पहचान देने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए कलेक्टर इंद्रजीत चंद्रवाल ने शुक्रवार को छुईखदान में जिले की पहली पान दुकान का शुभारंभ किया। जिला प्रशासन, पान अनुसंधान केंद्र एवं कृषि महाविद्यालय के संयुक्त प्रयास से प्रारंभ की गई यह पान दुकान स्थानीय किसानों, महिला स्व-सहायता समूहों और युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार का नया माध्यम बनेगी। इसके माध्यम से पान आधारित मूल्यवर्धित उत्पादों का निर्माण और विपणन कर छुईखदान के पान को नई पहचान दिलाने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर इंद्रजीत चंद्रवाल ने कहा कि छुईखदान की पान खेती लगभग 250 वर्षों की ऐतिहासिक विरासत है। समय के साथ इसका उत्पादन और रकबा घटता गया, लेकिन जिला प्रशासन ने इसे पुनर्जीवित करने का संकल्प लेकर पिछले एक वर्ष से लगातार कार्य किया है। किसानों से चर्चा कर उनकी आवश्यकताओं को समझा गया तथा गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री, तकनीकी मार्गदर्शन और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया। इसके परिणामस्वरूप इस वर्ष कई किसानों ने पुनः पान की खेती प्रारंभ की है।

उन्होंने कहा कि पान की खेती को बढ़ावा देने के साथ-साथ उसके लिए मजबूत विपणन व्यवस्था विकसित करना भी आवश्यक है। इसी उद्देश्य से महिला स्व-सहायता समूहों को प्रशिक्षण देकर पान आधारित मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार कराए गए हैं और उनके विपणन के लिए जिले की पहली पान दुकान प्रारंभ की गई है। यह एक नवाचार है, जिसके माध्यम से लोगों की पसंद, बाजार की मांग और उत्पादों की संभावनाओं का आकलन किया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि वर्तमान में यह एक छोटी शुरुआत है, लेकिन भविष्य में इसे व्यापक स्वरूप दिया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि सभी लोग पान दुकान का भ्रमण करें, यहां उपलब्ध उत्पादों का उपयोग करें तथा अपने सुझाव दें, ताकि उत्पादों की गुणवत्ता, विविधता और सेवाओं में निरंतर सुधार किया जा सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कृषि महाविद्यालय एवं जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से आने वाले समय में छुईखदान का पान और उससे बने उत्पाद प्रदेश ही नहीं, बल्कि देशभर में अपनी अलग पहचान बनाएंगे।

सीईओ जिला पंचायत ने कहा—पान को मिलेगा बड़ा बाजार और नई पहचान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रेम कुमार पटेल ने कहा कि छुईखदान की पान खेती इस क्षेत्र की ऐतिहासिक पहचान है।

इसे पुनर्जीवित करने के लिए जिला प्रशासन, कृषि महाविद्यालय और पान अनुसंधान केंद्र पिछले एक वर्ष से निरंतर कार्य कर रहे हैं। किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, पौध सामग्री, बरेजा निर्माण और प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब दिखाई देने लगे हैं।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप छुईखदान में पान कैफे की स्थापना की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसके शुरू होने के बाद पान आधारित उत्पादों को और व्यापक बाजार मिलेगा। किसानों को आधुनिक तकनीकों की जानकारी देने के लिए अन्य राज्यों के सफल पान उत्पादक क्षेत्रों का भ्रमण भी कराया गया है। उन्होंने कहा कि जिले की पहली पान दुकान इस अभियान की शुरुआत है और आने वाले समय में अधिक से अधिक किसानों, युवाओं एवं महिला स्व-सहायता समूहों को जोड़कर छुईखदान के पान को एक सशक्त ब्रांड के रूप में विकसित किया जाएगा।

अवैध महुआ शराब के खिलाफ आबकारी विभाग की कार्रवाई

रायपुर । रायगढ़ कलेक्टर के निर्देशन एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्राप्त शिकायत के आधार पर आबकारी विभाग ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से अवैध महुआ शराब एवं एक मोटरसाइकिल जब्त की है।

आबकारी विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 जुलाई 2026 को आबकारी वृत्त रायगढ़ (दक्षिण) अंतर्गत आबकारी जांच चौकी रेंगालपाली में वाहनों की सघन जांच के दौरान ग्राम कोसमंदा, थाना पुसौर निवासी शशि सिदार को लाल रंग की हीरो डिलक्स मोटरसाइकिल से कनकतुरा से पुसौर की ओर 06 लीटर ओडिशा निर्मित महुआ शराब का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। जब्त शराब का बाजार मूल्य लगभग 1,200 रुपये आंका गया है। इसी कार्रवाई के दौरान ग्राम तेतला, थाना पुसौर निवासी कन्हैया पटेल को उसके रिहायशी मकान से 5.050 लीटर महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। जब्त शराब का बाजार मूल्य लगभग 1,010 रुपये बताया गया है।

रामनामी समाज विषम स्थितियों में भी रामभक्ति और समरसता को जीवित रखा : संजय भूषण पाण्डेय

सारंगढ़ । छग की लोक संस्कृति एवं भक्ति परंपरा की अनूठी मिसाल यहां की रामनामी समाज ने कायम किया है । इस समुदाय ने अपने शरीर पर राम नाम गोदवा कर राम भक्ति और सामाजिक समरसता का संदेश दिया है।रामनामी समाज की यह गौरव शाली परम्परा देश और दुनिया के लिए प्रेरणा दायी है। उक्त बाते जिला प्रशासन के द्वारा आयोजित रामनामी समाज डाक्यूमेंट्री फिल्म समारोह में उपस्थित जिले के रामनामी समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए पांडे ने कहा। जिपं अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय ने आगे कहा कि रामनामी समाज ने कठिन परिस्थितियों में भी अपनी अटूट राम भक्ति और सामाजिक समरसता की परंपरा को जीवित रखा है। उन्होंने डाक्यूमेंट्री फिल्म की सराहना करते हुए कहा कि - ऐसी फिल्में हमारी विलुप्त होती लोक संस्कृति और परम्पराओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पटल पर पहचान दिलाने में महत्व पूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिपं अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय ने फिल्म निर्माण से जुड़े पूरी टीम के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि- सरकार व जिला प्रशासन स्तर पर लोक संस्कृति, कला व रामनामी समाज के संरक्षण और संवर्धन हेतु हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए।रामनामी समुदाय का जीवन और दर्शन सम्पूर्ण समाज के लिए त्याग,निष्ठा और भक्ति का प्रेरणापुंज है। कार्यक्रम के अंत में पाण्डेय जी ने रामनामी समुदाय के बड़े बुजुर्ग, कलाकारों को मंच पर श्रीराम चरित मानस और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।इस कार्यक्रम में जिपं अध्यक्ष संजय भूषण पांडे जिला कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू, सीईओ ऋषिकेश तिवारी, जिला प्रशासन के अधिकारी गण, रामनामी समुदाय के भक्तगण भारी संख्या में उपस्थित रहें।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत स्वामी आत्मानंद स्कूल में वृहद वृक्षारोपण

डोंगरगांव । पीएम स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट इंग्लिश मीडियम स्कूल, डोंगरगांव में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अंजू त्रिपाठी, वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश गांधी, लक्ष्मीनारायण गुप्ता, अरुण जैन, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अधिवक्ता सतीश कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष रंजू रत्नाकर तथा प्राचार्य बी.एल. देवांगन सहित जनप्रतिनिधियों, समिति सदस्यों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। अतिथियों ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान प्रकृति और मातृत्व के प्रति सम्मान का प्रतीक है। प्रत्येक व्यक्ति यदि अपनी माता के नाम पर एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प ले, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह अभियान जनभागीदारी का सशक्त माध्यम बनेगा। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में विद्यालय परिवार ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा पर्यावरण संरक्षण को जन-जन का अभियान बनाने का संदेश दिया।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना से किसान बलदेव राजवाड़े को मिला लाभ

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले के किसानों को कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ निरंतर प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के अंतर्गत संचालित नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल (तिलहन) योजना किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही है।

जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड के ग्राम सुलेसा निवासी कृषक बलदेव राजवाड़े ने इस योजना का लाभ लेकर सरसों की उन्नत खेती अपनाई है। कृषि विभाग द्वारा उन्हें अनुदान पर सरसों का उन्नत बीज उपलब्ध कराया गया। साथ ही सूक्ष्म पोषक तत्व, आवश्यक उर्वरक एवं पौध संरक्षण दवाइयां भी प्रदान की गईं, जिससे खेती की लागत कम हुई और बेहतर उत्पादन की संभावना बढ़ी। कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा समय-समय पर खेत का निरीक्षण कर तकनीकी मार्गदर्शन भी दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप वर्तमान में उनकी सरसों की फसल उत्कृष्ट स्थिति में है।

कृषक श्री बलदेव राजवाड़े ने बताया कि उनके पास कुल 2.512 हेक्टेयर कृषि भूमि है। खरीफ मौसम में वे पूरे रकबे में धान की खेती करते हैं, लेकिन पर्याप्त सिंचाई सुविधा नहीं होने के कारण रबी सीजन में अधिकांश भूमि खाली रह जाती थी। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्री मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में उन्होंने कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी प्राप्त की और रबी सीजन में सरसों की खेती शुरू की।

उन्होंने बताया कि सरसों की अच्छी फसल मिलने से अब खाद्य तेल के लिए बाजार पर निर्भरता कम होगी। साथ ही तिलहन फसल का बेहतर बाजार मूल्य मिलने से उनकी आय में भी वृद्धि होगी। उन्होंने अन्य किसानों से भी तिलहन फसलों की खेती अपनाने की अपील करते हुए कहा कि इससे खाद्य तेल उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और किसानों की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी।

अल्ट्राटेक रावन ने शासकीय विद्यालय को दी कंप्यूटर लैब की सौगात

बलौदाबाजार । ग्रामीण विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने और आधुनिक तकनीकी संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में अल्ट्राटेक रावन सीएसआर ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रावन में अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब की स्थापना कर उसका उद्घाटन किया। यह पहल मानव संसाधन प्रमुख करन मिस्त्री एवं प्रशासनिक प्रमुख संजीव मिश्रा के मार्गदर्शन में की गई। नवस्थापित कंप्यूटर लैब में विद्यार्थियों के लिए आठ आधुनिक कंप्यूटर सेट के साथ टेबल, चेयर, आलमारी, राइटिंग बोर्ड, नोटिस बोर्ड, डस्टबिन, फुटमैट एवं एयर ब्लोवर जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। अतिथियों ने फीता काटकर कंप्यूटर लैब का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में सरपंच अमर सिंह नेताम, उपसरपंच टाकेश्वर वर्मा, शाला विकास समिति अध्यक्ष कुलेश्वर वर्मा, त्रिलोचन वर्मा, प्राचार्य लोमश साहू सहित योगेन्द्र वर्मा, विजय वर्मा, किशोर वर्मा, सत्यनारायण राजपूत, प्रितम यादव, ललिता रुसिया, अंचन चौहान, रिम्पी स्वर्णकार, हरिशचंद अनंत, सरस्वती साहू तथा विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर सरपंच, उपसरपंच एवं प्राचार्य ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में कंप्यूटर शिक्षा प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अनिवार्य हो गई है। नई कंप्यूटर लैब से विद्यार्थियों को कंप्यूटर संचालन, डिजिटल साक्षरता, ऑनलाइन शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी तथा रोजगारोन्मुखी कौशल विकसित करने का बेहतर अवसर मिलेगा। इससे ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को भी गुणवत्तापूर्ण डिजिटल शिक्षा सुलभ हो सकेगी।

अतिथियों ने इस सहयोग के लिए अल्ट्राटेक रावन सीएसआर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कंप्यूटर लैब की स्थापना विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता, तकनीकी दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में सीएसआर अधिकारी ज्योत्सना पति एवं रंजय पाण्डेय के साथ सुरेन्द्र यादव, जानकी यादव, हेमलता ध्रुव, ताराचंद वर्मा, सुनीता निषाद, साहिल बांधे एवं गुमान साहू सहित सीएसआर टीम का विशेष योगदान रहा।

सेवा, शिद्दत और संकल्प से करें काम, बेमेतरा को बनाएं प्रदेश का अग्रणी जिला : अरुण साव

बेमेतरा। उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन तथा जिले के समग्र विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक को संबोधित करते हुए श्री साव ने अधिकारियों से कहा कि वे सेवा, शिद्दत और संकल्प के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा बेमेतरा को विकास के हर क्षेत्र में प्रदेश का अग्रणी जिला बनाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करें। उन्होंने कहा कि बेमेतरा भौगोलिक एवं प्रशासनिक दृष्टि से अनुकूल जिला है, जहां बेहतर कार्य करने की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि एक सफल अधिकारी वही होता है जो पूर्व नियोजित कार्ययोजना के साथ निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करता है। सभी अधिकारी जनसेवक की भावना से कार्य करते हुए जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरें, स्वयं का नियमित मूल्यांकन करें तथा अपनी कमियों को दूर कर बेहतर परिणाम सुनिश्चित करें।

उप मुख्यमंत्री ने मानसून को देखते हुए किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज उपलब्ध कराने, मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने तथा जल संरक्षण, जल संवर्धन और जल संचयन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत निर्मित योजनाओं को ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित कर उनके सुचारु संचालन पर भी बल दिया। बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कों की शीघ्र मरम्मत तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए ग्राम पंचायतों के माध्यम से जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए।

समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश

साव ने जिले में संचालित विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी स्वीकृत निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, आदिवासी विकास प्राधिकरण सहित अन्य निर्माण परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की।

जल संरक्षण, पर्यावरण एवं स्वच्छता पर विशेष फोकस: उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बढ़ते शहरीकरण के बीच जल संकट और प्रदूषण बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। इसलिए जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं।

उन्होंने वर्षा जल संग्रहण, पुराने तालाबों एवं नहरों के जीर्णोद्धार, जल संरक्षण अभियान, व्यापक वृक्षारोपण, पार्कों के विकास तथा प्रदूषण नियंत्रण के प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, कचरे के पृथक्करण और सार्वजनिक स्थलों की नियमित सफाई पर विशेष जोर दिया।

साव ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ खेल गतिविधियों को भी बढ़ावा देना आवश्यक है। खेल बच्चों में अनुशासन, रचनात्मकता, आत्मविश्वास और सामाजिक सहभागिता विकसित करते हैं तथा उन्हें नकारात्मक गतिविधियों से दूर रखते हैं। उन्होंने सभी बच्चों को खेलों से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए।

संविदा व शिक्षा कर्मचारियों की मांगों पर रमेश यदु ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

भाटापारा । छत्तीसगढ़ में शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों के नियमित व संविदा कर्मचारीयों द्वारा अपने सेवा व वेतन विसंगति को दूर कराने हेतु विभिन्न कर्मचारी संगठनों के बैनर तले आन्दोलन किया जा रहा है,

इस संबंध में सर्व यादव समाज एवं सर्व छत्तीसगढ़िया समाज महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश यदु ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा है कि विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के द्वारा अपने घोषणा पत्र में मोदी की गारंटी के नाम पर सत्ता में वापसी हुई थी, जिसमें प्रदेश के युवा, किसान, बेरोजगार व सभी संवर्ग के कर्मचारियों को लाभ देने का स्पष्ट उल्लेख है, लेकिन सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद भी कोई पहल नहीं हुई है, जिससे प्रदेश के युवा विशेष कर विभिन्न विभागों में सेवा रत संविदा कर्मचारी बढ़ती उम्र, नौकरी की अनिश्चितता व परिवार की जिम्मेदारियों को लेकर चिंतित होना स्वाभाविक है एक बड़ा शिक्षक समुदाय अपनी पुरानी सेवा गणना शून्य होने को लेकर काफी व्यथित हैं।

रामानुजनगर को मिली ढाई करोड़ रुपये की सौगात

सूरजपुर । प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र के रामानुजनगर में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन ने रामानुजनगर में नए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन के निर्माण के लिए 2 करोड़ 50 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। इस स्वीकृति से क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को भविष्य में बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलने की उम्मीद है। बताया गया है कि लंबे समय से रामानुजनगर क्षेत्र में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इस संबंध में प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी द्वारा शासन स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे थे। उनके प्रयासों के बाद विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट

प्रावधान के अंतर्गत नए अस्पताल भवन निर्माण के लिए राशि स्वीकृत की है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा नया भवन स्वीकृत राशि से बनने वाला नया अस्पताल भवन आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित होगा। इसके निर्माण के बाद मरीजों के लिए बेहतर उपचार व्यवस्था, जांच सुविधाओं का विस्तार, आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता तथा अस्पताल के आधारभूत ढांचे में उल्लेखनीय सुधार होगा।

पुणे रोड शो से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन बाजार में मजबूत हुई छत्तीसगढ़ की पहचान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार राज्य को देश के अग्रणी पर्यटन गंतव्यों में स्थापित करने की दिशा में निरंतर प्रभावी और दूरदर्शी पहल कर रही है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल ने उद्योग संगठन फिक्की के सहयोग से पुणे में भव्य पर्यटन रोड शो आयोजित कर राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध जनजातीय संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहरों, वन्यजीव पर्यटन, आध्यात्मिक पर्यटन तथा साहसिक पर्यटन की विविध संभावनाओं का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। यह आयोजन राष्ट्रीय पर्यटन बाजार में छत्तीसगढ़ की सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में पर्यटन विभाग राज्य के पर्यटन स्थलों को देश के प्रमुख पर्यटन बाजारों से जोड़ने, निवेश आकर्षित करने तथा पर्यटन आधारित रोजगार के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से निरंतर कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना के अनुरूप पर्यटन क्षेत्र को आर्थिक विकास, स्थानीय रोजगार, सांस्कृतिक संरक्षण और क्षेत्रीय विकास का सशक्त माध्यम बनाया जा रहा है। पुणे रोड शो इसी व्यापक रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा।

रोड शो में छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के टूर ऑपरेटर, ट्रैवल एजेंट, होटल व्यवसायी तथा पर्यटन क्षेत्र से जुड़े अनेक प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बी-टू-बी बैठकों के माध्यम से दोनों राज्यों के पर्यटन उद्योग के बीच नए पर्यटन पैकेज, निवेश, विपणन तथा व्यावसायिक सहयोग को लेकर सार्थक चर्चा हुई, जिससे भविष्य में पर्यटन गतिविधियों के विस्तार के नए अवसर सृजित होंगे।

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा ने कहा कि पर्यटन मंडल का उद्देश्य छत्तीसगढ़ को भारत के सबसे आकर्षक पर्यटन स्थलों में स्थापित करना है। उन्होंने होटल व्यवसायियों, ट्रैवल एजेंटों और टूर ऑपरेटरों से राज्य की पर्यटन संभावनाओं को देश-विदेश तक पहुंचाने में सक्रिय भागीदारी का आह्वान करते हुए सभी हितधारकों को छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता और विशिष्ट पर्यटन अनुभवों का प्रत्यक्ष अनुभव लेने के लिए आमंत्रित किया।

धुर्राबांधा की जर्जर सड़क पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, 6 घंटे चक्का जाम के बाद प्रशासन ने दिया आश्वासन

भाटापारा । काफी लम्बे अरसे से धुर्राबांधा की सडक जर्जर एवं खस्ताहाल होने से लोगो को काफी दिक्कतों का सामना करना पड रहा है इसी के चलते आक्रोशित ग्रामीणों, स्कूल छात्र छात्राओं स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं आम राहगीरों का गुस्सा 1अगस्त को सुबह 7.30 बजे से उस मार्ग पर सडक बनाये जाने की मांग को लेकर चक्का जाम कर दिया जिससे उस मार्ग के दोनो ओर छोटे बडे वाहनो की लम्बी लाईन लग गई स्कूली छात्र छात्राये हाथों मे तख्ती लेकर नारेबाजी करते रहे कि खस्ताहाल रोड बनना पडेगा व स्कूल भवन का जीर्णोधार करना होगा

6 घंटे के चक्का जाम के बाद निकला बीच का रास्ता

सैकडों कि संख्या के लोगों के बीच भारी खीचतान कि स्थित के बाद आम ग्रामीणों के बीच लगातार संवाद के माध्यम से प्रशासन ने 6 घंटे के बाद वर्तमान स्थित से निपटने हेतु बीच का रास्ता निकाला गया जिसमे पीडब्लूडी विभाग द्वारा बरसात के बाद स्थायी रुप से डामरीकृत रोड बनाये जाने व राशि स्वीकृत हो जाने कि बात कही गई

अगर समस्या पर ध्यान नही दिया गया तो बार आंदोलन व चक्का जाम होगा... स्कूली छात्रा

ग्रामीणों व छात्र छात्राओं ने उक्त रोड के जर्जर खस्ताहाल जानलेवा स्थित का मुख्य कारण निजि संयत्र के भारी वाहनों का आना जाना बताया गया है जिसमे कई बार आम राहगीर व मवेशी भी इन भारी वाहनों से दुर्घटना का शिकार हो चुके है, गॉव के छात्र तुषार वर्मा ने बताया कि इस जर्जर खस्ताहाल रोड के कारण 12 माह लोग परेशानी जूझ रहे है कई बार उक्त समस्या को लेकर शासन प्रशासन को भी अवगत कराया गया परंतु उनके द्वारा उक्त मुद्दे पर गम्भीरता ध्यान नही दिये जाने से आज ग्रामीणों को चक्का जाम के लिये बाध्य होना पडा वही स्कूल कि छात्रा मोना पाल द्वारा बताया गया कि 6 से लेकर 8वी कि स्कूल का भवन जर्जर हो चुका है ।

वही छात्रों के मांग पर कलेक्टर व एसडीएम को मोबाईल से अवगत कराये जाने पर स्कूल भवन निर्माण हेतु राशि स्वीकृत किये जाने का आशवासन दिया गया।

धुर्राबांधा मे चक्का जाम के दौरान हुई वार्तालाप मे प्रशासनिक अधिकारीयों द्वारा आशवासन दिया गया है कि स्कूली समय 9.30 से 10.30 के बीच भारी वाहनों पर रोक लगेगी एवं 3.30 से 4.50 तक धुर्राबांधा से कोसमंदा तक भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगेगा । वही गॉव के लोगो मे नंदकिशोर, कन्हैया, कमलेश प्रमोद रामप्रसाद, कमलेश विनोद, विजय पाल , शुखरतन पाल, दुर्गेश, वियाश, रोमनाथ, मनोज, रामकुमार, कामता, एवं महिला समूह व बड़ी संख्या में ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित राहगीरों ने जनहित के मुद्दे पर आम लोगो के एकजुटता कि सराहना किया एसडीएम श्यामा पटेल ने बताया की धुर्राबांधा सडक के रिपेरिंग का कार्य शुरू किया जा चुका है वहीऔ नई सडक का प्रस्ताव शासन को भेजा जा चुका है।

घर में आप 'टीनेज लव' को कैसे संभाले?

1958 में एक बोर्डिंग स्कूल में कक्षा नौ के छात्र रहे 14 साल के थॉम स्टीनबेक ने अपने पिता को पत्र लिख कर कहा कि उन्हें सुसान नाम की लड़की से प्यार हो गया है। बताएं कि अब उन्हें क्या करना चाहिए। पत्र के आखिर में उन्होंने पिता को यह भी समझाया कि उनकी भावनाओं को 'पप्पी लव' मानकर खारिज न करें, जिसके बारे में वे खुद अपनी किताबों में लिख चुके हैं।

थॉम पिता को इतना निजी पत्र इसलिए लिख पाया, क्योंकि उसके पिता जॉन स्टीनबेक अमेरिका के महानतम लेखकों में से एक थे। आम लोगों, खासकर मजदूरों, प्रवासियों और कठिन हालात झेल रहे परिवारों के जीवन को बेहद वास्तविकता और संवेदनशीलता के साथ अपनी किताबों में उतारने के लिए उन्हें 1962 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला था।

महामंदी के दौरान एक परिवार के संघर्षों पर आधारित उनकी मशहूर किताब 'द ग्रेप्स ऑफ रॉथ' को पुलित्जर मिला। अपने खुद के खेत का सपना देखने वाले दो प्रवासी मजदूरों की कहानी पर आधारित दूसरी चर्चित किताब 'ऑफ माइस एंड मेन' दुनिया भर के स्कूलों में पढ़ाई गई, मेरे स्कूल में भी।

स्टीनबेक ने बेटे को जवाब देते हुए लिखा 'अगर तुम्हें प्यार हुआ है तो यह अच्छी बात है। यह किसी के भी साथ हो सकने वाली सबसे अच्छी बात है। किसी को भी इसे मामूली या कमतर मत समझने देना।' लेकिन साथ ही उन्होंने बेटे से प्यार के दो रूपों के बीच फर्क समझने को भी कहा। एक प्यार स्वार्थी, जकड़ने वाला और अहंकार से भरा होता है, जिसमें व्यक्ति खुद को बेहद अहम मानने लगता है। दूसरा, सामने वाले को अनोखा और मूल्यवान मानता है।

उन्होंने बताया कि 'पहला प्यार तुम्हें छोटा और कमजोर बनाएगा। लेकिन दूसरा तुम्हें ऐसी ताकत, साहस, नेकी और समझदारी से भर देगा, जिसके बारे में तुम्हें खुद भी पता नहीं था कि ये तुम्हारे पास हैं।'

मैं स्टीनबेक की नौ किताबें पढ़ चुका हूं, जिनमें 'ईस्ट ऑफ ईडन', 'कैनरी रो' और 'द पर्ल' शामिल हैं।

जब मुझे अपनी पत्नी से प्यार हुआ तो मैंने उन्हें स्टीनबेक की अपने पालतू डॉग चार्ली के साथ अमेरिका यात्रा पर आधारित ट्रैवलॉग 'ट्रैवल्स विद चार्ली' गिफ्ट की थी। मैंने यह किताब इसलिए चुनी, क्योंकि मेरी पत्नी के पास भी स्नोई नाम का पालतू डॉग था, जो शादी के बाद 'दहेज' में हमारे घर आ गया। इसलिए मेरा मानना है कि स्टीनबेक ने पहले प्यार की चुनौती और गिफ्ट को बहुत अच्छे-से समझाया है। पहला प्यार आपको अपना सबसे अच्छा रूप खोजने में मदद कर सकता है, तब जबकि आपका दिल चुरा लिया गया हो और दिमाग काम करना बंद कर चुका हो।

जिन पैरेंट्स के बच्चे टीनेज रोमांस से गुजर रहे हों, उन्हें यह समझना चाहिए कि यह दीवानापन हार्मोन और न्यूरोट्रांसमीटर्स का मिला-जुला नतीजा है। नॉरएपिनेफ्रिन पेट में गुदगुदी करता है, एड्रेनालिन से हथेलियों में पसीना आता है और ऑक्सीटोसिन बॉन्डिंग बढ़ाता है। ब्रेन स्टडीज बताती हैं कि रोमांटिक प्रेम में वही रिवॉर्ड सर्किट एक्टिव होते हैं, जो ड्रग एडिक्शन में होते हैं।

स्टीनबेक का पत्र आज भी इसलिए प्रासंगिक है, क्योंकि उसकी शुरुआत सम्मान से होती है। वे बेटे की भावनाओं पर हंसे नहीं, न खारिज और नजरअंदाज किया। पहले उन्होंने उसकी भावना स्वीकार की और फिर सही-गलत समझाया। आज भी पैरेंट्स के लिए यह सबसे असरदार तरीका हो सकता है। टीनेज लव को हैंडल करने के कुछ व्यवहारिक तरीके यहां पेश हैं:

1. भावनाओं का मजाक न उड़ाएं: आप उनका मजाक उड़ाएंगे तो वे प्यार करना नहीं, बल्कि आपसे बात करना छोड़ देंगे। फिर वे दोस्तों या सोशल मीडिया पर निर्भर हो जाएंगे और उसके खतरे आप समझते हैं।

2. सलाह से पहले उनकी सुनें: 'यह लड़का या लड़की कौन है?' इसके बजाय यह पूछें कि 'तुम्हें इसमें क्या अच्छा लगा?' या 'इस रिश्ते से तुम्हें कैसा महसूस होता है?' किसी लेक्चर की तुलना में इन सवालों से ज्यादा बातें सामने आएंगी।

3. आकर्षण और चरित्र का फर्क समझाएं: उनसे पूछें कि क्या वह इंसान दयालु, सम्मान देने वाला और ईमानदार है? क्या वो तुम्हें बेहतर बनने के लिए प्रोत्साहित करता है? स्वार्थी और उदार प्रेम के बीच स्टीनबेक ने जो फर्क बताया, वह 1958 की तुलना में आज के इंस्टाग्राम दौर में अधिक प्रासंगिक है।

4. उनकी डिजिटल लाइफ में दिलचस्पी लें: आजकल का रोमांस अधिकतर फोन पर ही होता है। इसलिए प्राइवेसी, ऑनलाइन मेनिपुलेशन, तस्वीरों की शेयरिंग, साइबर-बुलीइंग और डिजिटल फुटप्रिंट्स के हमेशा बने रहने के जोखिमों पर उनसे चर्चा करें।

फंडा यह है कि जब प्यार आपके जीवन में दस्तक दे तो किसी 'वेल-रेड' व्यक्ति की तरह उसे शांति से संभालें।

बच्चों की सेहत के पक्षमें अनुकरणीय पहल

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के 1.08 लाख से अधिक स्कूलों और उनके 50 मीटर के दायरे में जंक फूड की बिक्री, मुफ्त वितरण और विज्ञापनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का साहसिक और अनुकरणीय फैसला किया है। यह फैसला बच्चों के स्वस्थ भविष्य की दिशा में उठाया गया आवश्यक कदम कहा जाएगा। समोसा, वड़ा पाव, चिप्स, डीप-फ्राइड स्नैक्स, कोल्ड ड्रिंक्स और चॉकलेट जैसे ज्यादा वसा, चीनी और नमक वाले खाद्य पदार्थों को स्कूलों की सीमा से बाहर करके सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि बच्चों का स्वास्थ्य उसकी प्राथमिकता में है। महाराष्ट्र ने अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कदम बढ़ाकर अन्य राज्यों के सामने भी नजीर पेश की है। बड़ा सवाल यह है कि देश के अन्य राज्य इस दिशा में कब तत्परता दिखाएंगे? क्योंकि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और राष्ट्रीय पोषण संस्थान ने एक रिपोर्ट जारी कर इस बारे में पहले ही चेतावनी दे दी है। दोनों संस्थानों के अध्ययन में पाया गया कि पिछले 14 साल में देश में जंक फूड की खपत 150 फीसदी बढ़ गई है। इसकी बड़ी वजह बच्चों में इसका बढ़ता आकर्षण है और उसके पीछे जंक फूड की सहज उपलब्धता और बच्चों को लुभाने वाले विज्ञापन हैं।

बचपन की सबसे बड़ी पूंजी अच्छी सेहत होती है, लेकिन आधुनिक जीवनशैली के कारण बच्चों की थाली से पारंपरिक और पौष्टिक भोजन गायब होता जा रहा है। इसका परिणाम कम उम्र में ही बच्चों में बढ़ते मोटापे, बाल-मधुमेह और जीवनशैली से जुड़ी अन्य गंभीर बीमारियों के रूप में सामने आ रहा है। नीति आयोग और यूनिसेफ जैसी संस्थाओं ने अनुमान जताया है कि यदि बच्चों के आहार पर ध्यान नहीं दिया गया तो 2030 तक देश के 11 फीसदी बच्चे मोटापे और उससे होने वाली बीमारियों के शिकार हो जाएंगे। ऐसे में स्कूलों के भीतर और आसपास 'ईट राइट स्कूल' अभियान को सख्ती से लागू करने, खाने-पीने की चीजों के लिए एफएसएसएआइ लाइसेंस अनिवार्य करने और खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षक नियुक्ति के निर्देश अत्यंत व्यावहारिक हैं।

हालांकि, इस नीति की सफलता कागजी नियमों से ज्यादा धरातल पर इसके क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी। 50 मीटर के दायरे में रेहड़ी-पटरी वालों और दुकानदारों पर लगातार निगरानी रखना और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करना बड़ी चुनौती होगी। साथ ही, इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि केवल पाबंदी लगा देना ही काफी नहीं है। बच्चों को स्वस्थ विकल्पों की ओर आकर्षित करना भी उतना ही जरूरी है। जब तक स्कूल कैंटीन में स्वादिष्ट और पौष्टिक विकल्प उपलब्ध नहीं होंगे, तब तक बच्चों को जंक फूड से पूरी तरह दूर रख पाना कठिन होगा।

एआई तेजी से जवाब दे सकता है, लेकिन सही निर्णय लेने में समय लगता है

हर सप्ताह मैं मुंबई के माटुंगा स्थित साउथ इंडियन भजन समाज मंदिर जाता था। मंदिर के प्रवेश द्वार के बाहर शांत भाव से, सामान्य कपड़े पहने बैठे एक भिखारी के अनेक श्रद्धालु अभ्यस्त हो चुके थे। अन्य भिखारियों के उलट वह भीख नहीं मांगता था और इसके बजाय आंखें बंद किए, हाथ जोड़े प्रार्थना में लीन रहता था। कुछ लोग उसके सामने बिछे अंगवस्त्र पर सिक्के रख देते थे, क्योंकि उन्हें उसके चेहरे पर भक्ति का भाव दिखाई देता था, जबकि कई लोग बिना रुके आगे बढ़ जाते थे।

सड़क के दूसरी ओर एक लोकप्रिय दक्षिण भारतीय रेस्तरां था, जिसका संचालन तमिलनाडु के एक होटल व्यवसायी द्वारा किया जाता था। आजकल उस इमारत का री-डेवलपमेंट चल रहा है। यह रेस्तरां हर सुबह नाश्ते और दोपहर में भोजन के समय खचाखच भरा रहता था।

मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद पारंपरिक धोती और अंगवस्त्र पहने, माथे पर विभूति और कुमकुम लगाए लोग वहां पहुंचते थे। उनमें कुछ नियमित रूप से आने वाले थे, जबकि कुछ मेरी तरह कभी-कभार आते थे।

एक दोपहर रेस्तरां के एक नियमित ग्राहक कल्याण सुंदरम चुपचाप मालिक के पास गए और पूछा, क्या आपको पता है कि यहां कुछ लोग खाना खाकर बिना पैसे दिए चले जाते हैं? मालिक कुछ कहते, उससे पहले ही उन्होंने रेस्तरां के बाहर खड़े धोती पहने एक व्यक्ति की ओर इशारा किया।

सुंदरम ने कहा, मैं कई दिनों से उस पर नजर रख रहा हूं। वह आमतौर पर मेरे बाद रेस्तरां में प्रवेश करता है। जैसे ही आपका ध्यान कहीं और जाता है- मसलन जब आप कोई गिरा हुआ सिक्का उठाने के लिए झुकते हैं या वेदी पर अगरबत्ती जलाने लगते हैं तो वह पैसे दिए बिना चुपचाप बाहर निकल जाता है।

मालिक ने उस व्यक्ति की ओर देखा और मुस्कराते हुए कहा, अच्छा वह आदमी? लेकिन ऐसा सिर्फ कुछ दिनों से नहीं हो रहा है। मेरा तो मानना है कि वह कई महीनों से यहां बिना पैसे दिए खाना खा रहा है। यह सुनकर ग्राहक हैरान रह गया।

उसने कहा, आप जानते हैं कि वह आपको धोखा दे रहा है, फिर भी उसे ऐसा करने दे रहे हैं? तुरंत जवाब देने के बजाय मालिक उन्हें धीरे से एक ओर ले गए। इस बीच वे इंतजार कर रहे कुछ ग्राहकों को भोजन परोसते रहे। फिर मंदिर की ओर इशारा करते हुए बोले, देखिए, वह प्रार्थना कर रहा है। आपको क्या लगता है, इस समय वह किस बात के लिए प्रार्थना कर रहा होगा?

ग्राहक ने कटाक्ष करते हुए जवाब दिया, शायद वह भगवान को धन्यवाद दे रहा होगा कि वह पकड़ा नहीं गया। मालिक ने सिर हिलाते हुए कहा, आप सही कह रहे हैं। कुछ क्षण रुकने के बाद उन्होंने एक और सवाल पूछा, और आपको क्या लगता है, मेरे रेस्तरां में प्रवेश करने से पहले वह क्या प्रार्थना करता होगा?

ग्राहक ने आत्मविश्वास से कहा, यही कि वह पकड़ा न जाए। मालिक मुस्कराए और सिर हिलाते हुए बोले, मैं इसमें थोड़ा बदलाव करूंगा। संभवत: वो यह प्रार्थना करता होगा कि रेस्तरां हमेशा इतना खचाखच भरा रहे कि किसी का ध्यान मेरे बाहर निकलने पर ही न जाए।

ग्राहक चुप हो गया। मालिक ने आगे कहा, अब बताइए, मेरे परिवार और मेरे अलावा कौन है, जो हर दिन पूरे मन से इस रेस्तरां के हमेशा भरा रहने की प्रार्थना करता हो? ग्राहक कुछ कह पाता, उससे पहले ही मालिक ने स्वयं उत्तर देते हुए कहा, इसीलिए वह व्यक्ति जब भी यहां आता है, मैं जानबूझकर अपनी नजर बाहर निकलने वाले दरवाजे से हटा लेता हूं और उसे चुपचाप जाने देता हूं।

ग्राहक अविश्वास से मालिक की ओर देखने लगा। मालिक एक बार फिर मुस्कराए और बोले, कभी-कभी पूरे मन से की गई एक प्रार्थना के बदले एक समय का भोजन बहुत छोटी कीमत होती है।

शनिवार को भोपाल में शिक्षकों की एक सभा को संबोधित करते समय मुझे यह कहानी याद आई।

वे शिक्षक अपने स्नातक कार्यक्रमों के लिए विद्यार्थियों का स्वागत करने की तैयारी कर रहे थे। मैंने उनसे कहा कि ऐसे समय में, जब बच्चे एआई की मदद से हर प्रश्न का उत्तर तुरंत पाना चाहते हैं, उनके लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण विवेक का विकास होगा।

मैंने उनसे अनुरोध किया कि वे विद्यार्थियों को 'एक रुका हुआ फैसला' जैसी फिल्में भी दिखाएं, जिनकी कहानी अपने व्यक्तिगत पूर्वग्रहों, पक्षपात और क्रोध को कम करने में उनकी मदद कर सकती है।

सरकार में 'लैटरल एंट्री' का प्रयोग सफल क्यों नहीं हो पाया?

लैटरल एंट्री अर्थात सरकार के वरिष्ठ स्तर पर क्षेत्र विशेष के विशेषज्ञों की सीधी भर्ती के लिए भारत सरकार ने पहली बार नियम 2018 में बनाए। इसके माध्यम से उप सचिव, निदेशक एवं संयुक्त सचिव के पदों पर सरकार से बाहर कार्यरत निजी, सार्वजनिक उपक्रमों के विशेषज्ञों की भर्ती का प्रावधान किया गया। यह नियुक्ति संविदा आधार पर 3 वर्ष के लिए की जाती है जिसे 5 वर्ष तक के लिए बढ़ाया जा सकता है। अब तक कुल 63 व्यक्तियों को लैटरल एंट्री के माध्यम से सरकार में नियुक्त किया गया। इनमें से 35 निजी क्षेत्र से संविदा पर तथा शेष 28 सार्वजनिक उपक्रम या किसी राज्य सेवा से प्रतिनियुक्ति पर आए। ये नियुक्तियां उन विभागों में की गईं जहां विशेषज्ञता की आवश्यकता अधिक अनुभव की गई जैसे वित्त मंत्रालय, नागरिक उड्डयन, अक्षय ऊर्जा, परिवहन, कृषि मंत्रालय आदि। बाहर से आए विशेषज्ञों से यह अपेक्षा की गई थी कि वे नवाचार करते हुए त्वरित गति से निर्णय लेंगे। नियमित रूप से चयनित अधिकारी, सालों तक एक ही ढर्रे से काम करने के आदी हो जाते हैं और उनमें जोखिम भरे निर्णय लेने की क्षमता का अभाव हो जाता है।

हालांकि कार्यरत सरकारी अधिकारी अलग-अलग पृष्ठभूमि से आते हैं जिनमें कई इंजीनियर, डॉक्टर, सीए आदि भी होते हैं किंतु उनकी दक्षता समय के साथ-साथ क्षीण हो जाती है और वे अधिकाधिक यथास्थितिवादी बन जाते हैं। निर्णय लेने में लालफीताशाही के कारण समय भी बहुत लगता है। चूंकि इनका स्थानांतरण अलग-अलग विभागों में होता रहता है, ये किसी क्षेत्र की विशेषज्ञता अर्जित नहीं कर पाते। जैसा कि अपेक्षित था, इन व्यक्तियों की स्वीकार्यता पहले से जमे हुए स्थायी अधिकारियों में अधिक नहीं हो पाई और ये सरकारी तंत्र की विभिन्न जटिलताओं से अनभिज्ञ होने के कारण अपना काम भी तत्परता से करने में सफल नहीं हो पाए। एक प्रश्न यह भी था कि संविदा पर लिए गए इन व्यक्तियों की पदोन्नति के कोई अवसर नहीं थे। वर्तमान अधिकारियों की पदोन्नति के अवसर भी कम हो गए। कुल मिलाकर इन व्यक्तियों के प्रति बहुत सकारात्मक दृष्टिकोण, पूर्व में पदस्थापित अधिकारियों का नहीं रहा और इनकी स्थिति एक प्रकार से अवांछित व्यक्ति जैसी हो गई। एक प्रकार से 'कॉग इन द व्हील' बनकर रह गए।

पहली बार लैटरल भर्ती का काम संघ लोक सेवा आयोग को सौंपा गया व साक्षात्कार से चयन किया गया। लैटरल एंट्री के प्रति यह आशंका सदैव जताई जाती रही कि सरकार इसके माध्यम से अपनी पसंद के लोगों को सरकार में महत्वपूर्ण पदों पर बैठना चाहती है। परस्पर सामंजस्य की कमी और लचीलेपन के अभाव के कारण निजी क्षेत्र से जिन 63 व्यक्तियों ने सरकार में पदभार संभाला, उनमें से 18 व्यक्ति अपना त्यागपत्र दे चुके हैं। इस प्रकार वर्तमान में 43 व्यक्ति ही कार्यरत हैं जो 16 विभागों में पदस्थापित हैं। इस लेटरल एंट्री का विरोध आरक्षण के आधार पर भी हुआ। इस चयन में आरक्षण का प्रावधान नहीं रखा गया। सरकार का तर्क यह था कि यह एक-एक पद के लिए थी, अत: आरक्षण करना कानूनन अनिवार्य नहीं था। इसका कड़ा विरोध सत्ताधारी एनडीए के घटक दलों द्वारा भी किया गया। इसका परिणाम यह हुआ कि 2023 में भर्ती के लिए जो विज्ञापन निकाला गया था, उसे भारी विरोध के कारण निरस्त करना पड़ा। इसके बाद आज तक कोई नई लैटरल एंट्री नहीं हो पाई है।

हार सिखाती है

"हार सिखाती है
हमें आजमाती है
मंज़िल दूर नहीं है
यह बतलाती है
सतत रहो कर्मशील
यह समझाती है!"
कविता"आत्मा"

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

भगवान कृष्ण गीता में कहते हैं कि अर्जुन ! विषयों का चिंतन करते हुए पुरुष में उनके प्रति आसक्ति उत्पन्न होती है, आसक्ति से अभिलाषा उत्पन्न होती है, तथा अभिलाषा (कामना) पूरी न होने पर व्यक्ति को क्रोध आता है। क्रोध के कारण अविवेक उत्पन्न होता है। अविवेक से कर्तव्य का स्मरण नहीं रहता। कर्तव्य का विस्मरण होने से बुद्धि नष्ट होती है। और बुद्धि नष्ट होने से मनुष्य का पतन हो जाता है -

ध्यायतो विषयान्पुंसः संगस्तेषूपजायते।

और गीता के इस सिद्धांत की व्याख्या रामायण के दो प्रसंगों में पाएंगे। एक तो नारदजी के प्रसंग में और दूसरे के कैकेईजी के प्रसंग में। एक बार एक सज्जन ने मुझसे कहा कि नारदजी के प्रसंग में तो यह बात घटती नहीं है क्योंकि भगवान कृष्ण तो यह कहते हैं कि संग से कामना का जन्म होता है तब नारदजी या तो शंकरजी के पास गए, या ब्रह्मा के ब्रह्मलोक में गए, और अंत में भगवान विष्णु के पास गए तो फिर इन तीनों में से किसके संग से उनके मन में काम आ गया ? यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है। तब मैंने कहा कि भई ! संग के पहले एक शब्द और लिखा हुआ है और वह शब्द - ध्यायतो विषयान्पुंसः - व्यक्ति जब विषयों का चिंतन करता है तब संग होता है। इसका अभिप्राय है कि जिसका चिंतन करेगा उसका संग होगा। और नारदजी विषय का चिंतन कर रहे थे कि नहीं ? भले ही विधि मुख से नहीं पर निषेध मुंह से तो काम का चिंतन कर ही रहे थे। निषेध मुख से तात्पर्य बड़ा गंभीर है।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

जरूरत थी कड़े कानून की और वह बन गया है

देश में पिछले एक दो दशक से राज्य स्तर पर होने वाली प्रतियोगी,प्रवेश परीक्षा या किसी पद विशेष के लिए होने वाली परीक्षा हो उसके पेपर लीक होना एक बड़ी समस्या के रूप मे सामने आया है और इस समस्या के समाधान के लिए और कड़े कानून की मांग भी देश में युवाओं की तरफ से की जा रही थी।युवाओं का मानना था कि देश में पेपर लीक रोकने के लिए कानून तो हैं लेकिन कड़ा कानून नहीं है, इससे पेपर लीकर करने वालों को पेपर लीक करते हुए कोई डर नहीं होता है और यह डर न होने के कारण आए दिन किसी भी राज्य या केंद्र स्तर की कोई प्रतियोगी परीक्षा,प्रवेश परीक्षा हो तो उसका पेपर लीक कहीं न कहीं कर दिया जाता है।हाल में नीट परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद परीक्षा फिर से आयोजित की गई इसके बाद पेपर लीक को लेकर पिछले एक दो महीने से देश के युवा में गहरी नाराजगी थी और वह चाहते थे कि इसे रोकने के लिए सरकार कड़ा कानून बनाए और जो भी तकनीकी सुधार हो सकते हैं, वह सुधार भी जल्द किया जाए।मोदी सरकार ने कड़ा कानून बना दिया है,राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद वह पूरे देश में लागू हो गया है और तकनीकी सुधार के लिए एक तकनीकी विशेषज्ञों की समिति बनाकर एक कदम भी उठाया है। पेपर लीक रोकने केलिए सरकार की तरफ से जो कुछ जल्द से जल्द हो सकता था, वह तो कर दिया गया है।लेकिन विपक्ष व सीजेपी से युवाओं को जो उम्मीदें थी, वह पूरी नहीं हुई है क्योंकि उनका लक्ष्य बेहतर परीक्षा व्यवस्था बनवाना था ही नहीं।

जब भी किसी देश प्रदेश में किसी मुद्दे को लेकर युवाओं में नाराजगी पैदा होती है तो उसका लाभ उठाने वाले भी सामने आ जाते हैं तो पेपर लीक को लेकर युवाओं में हुए पैदा हुए असंतोष व गुस्से को देखते हुए अभिजीत दीपके ने काकरोच जनता पार्टी बनाकर मौके का फायदा उठाया।वह युवाओं के संगठन व नेता के रूप में सामने आया। सीजेपी के झंडे तले अनशन व आंदोलन किया। लेकिन उसका लक्ष्य न तो कड़ा कानून बनवाना था और न ही तकनीकी सुधार कैसे हो सकता है, बताना था।सीजेपी युवाओं का आंदोलन था लेकिन वह शिक्षामंत्री के इस्तीफे तक ही सीमित रह गया। एक महीने के आंदोलन के बाद शिक्षामंत्री ने इस्तीफा दिया और सीजेपी वाल खुश हो गए कि उनका आंदोलन सफल रहा। इससे युवा ठगे रहे गए क्योंकि वह जानते समझते हैं कि शिक्षामंत्री के इस्तीफे से पेपर लीक होना थोड़ी न बंद हो सकता है। उनकी जो भी समस्याएं हैं वह हल थोड़ी न होती हैं।युवा जो चाहते थे संसद के बाहर वह न तो सीजेपी ने किया और संसद के भीतर न तो कांग्रेस व विपक्ष ने किया।

संसद के भीतर पेपर लीक रोकने लाए गए संशोधन विधेयक पर कांग्रेस सहित विपक्ष के तमाम नेता और बेहतर सुझाव दे सकते थे. यह विपक्ष का सकारात्मक कदम होता है, युवाओं को भी लगता कि सरकार के साथ ही विपक्ष भी पेपर लीक रोकने के लिए कुछ करना चाहता है।सरकार के साथ ही कांग्रेस व विपक्ष भी युवाओं की समस्या हल करना चाहता है।विपक्ष की सकारात्मक छवि के लिए विपक्ष को यह करना था लेकिन विपक्ष ने राहुल गांधी के नेतृत्व में फिर साबित किया की कि विपक्ष का काम संसद के भीतर सरकार के हर अच्छे कदम का विरोध करना है,संसद में हंगामा करना है, संसद नहीं चलने देना है। जिस विषय में बहस हो रही हो, उस विषय में कुछ अच्छा कहने की जगह विवाद को बढ़ावा देने वाली बाते कहना है।विपक्ष के नेताओं ने कहा कि सुधार से कुछ नहीं होगा,सजा बढ़ाने से समस्या का समाधान नहीं होगा।कानून तो पहले से बने हैं लेकिन उससे परीक्षा पेपर लीक होना बंद हुआ क्या। वहीं सरकार की तरफ से कहा गया कि युवाओं की मांग सख्त कानून बनाने की सरकार ने सख्त कानून बना दिया है,इससे अब पेपरलीक करने वालों में डर पैदा होगा कि वह पकड़े गए तो उनके सख्त सजा मिलेगी, करोड़ों रुपए जुर्माना देना पड़ेगा,समयबध्द सुनवाई से जल्द फैसला होगा।

नीट पेपर लीक रोकने का सख्त कानून संसद से पास होने के बाद मंजूरी के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पास भेजा गया था और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद वह पूरे देश में शुक्रवार रात से लागू हो गया है।खास बात यह रही कि यह सख्त कानून महज तीन दिन में दोनों सदनों से पारित होकर राष्टपति की मंजूरी के बाद देश में लागू हो गया यानी जितनी जल्दी हो सकता था सरकार ने युवाओं के हित में एक कड़ा बनाकर पारित कराकर लागू करवा दिया है।

900 स्टूडेंट्स ने सीखा सड़क सुरक्षा का पाठःएसीपी ने कहा- 18 साल से पहले न चलाएं बाइक-कार, बच्चों को दी ट्रैफिक नियम की जानकारी

रायपुर। रायपुर में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और स्कूली बच्चों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए यातायात पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। इसी कड़ी में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, WRS कॉलोनी में सड़क सुरक्षा एवं यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कक्षा 6 से 12 तक के करीब 900 छात्र-छात्राओं को सुरक्षित यातायात के नियमों की जानकारी दी गई। पीएम

कार्यक्रम में एसीपी ट्रैफिक सतीश कुमार ठाकुर ने विद्यार्थियों को सड़क संकेतों, ट्रैफिक नियमों और सुरक्षित तरीके से सड़क पर चलने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से कम उम्र के नाबालिग किसी भी स्थिति में दोपहिया या चारपहिया वाहन नहीं चलाएं।

उन्होंने विद्यार्थियों को यह भी समझाया कि वाहन चलाने की कानूनी उम्र पूरी होने के बाद भी हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट लगाना और सभी यातायात नियमों का पालन करना जरूरी है।

डीसीपी ट्रैफिक डॉ. अर्चना झा के निर्देशन में रायपुर ट्रैफिक पुलिस शहर के विभिन्न स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में लगातार सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चला रही है। इसका उद्देश्य बच्चों में शुरुआती उम्र से ही सुरक्षित यातायात की आदत विकसित करना और सड़क दुर्घटनाओं को कम करना है। ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि शहर में नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। ऐसे मामलों में अभिभावकों को भी बुलाकर काउंसलिंग की जा रही है और उनसे बच्चों को वाहन नहीं देने की अपील की जा रही है।

कार्यक्रम में स्कूल के प्राचार्य अशोक कुमार चंद्राकर, उप प्राचार्य, शिक्षक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

सिंधी काउंसिल की राष्ट्रीय बैठक में ललित जैसिंघ का सम्मान

रायपुर। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक उत्तर प्रदेश के आगरा में आयोजित हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ इकाई के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ के स्वास्थ्य क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई।

बैठक की अध्यक्षता सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन लड़ानी और पूर्व राज्यसभा सदस्य सुरेश केसवानी ने की। कार्यक्रम आगरा के ताज होटल में आयोजित किया गया।

हर साल 3 हजार लोगों का फ्री हेल्थ चेकअप

इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने बताया कि छत्तीसगढ़ इकाई की ओर से हर साल 3 हजार से ज्यादा लोगों का फ्री हेल्थ चेकअप कराया जाता है। उनके इस कार्य की सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने प्रशंसा की और छत्तीसगढ़ इकाई की सराहना की।

ललित जैसिंघ ने कहा कि संगठन का प्रयास रहता है कि पूरे साल ज्यादा से ज्यादा जनहित के काम किए जाएं और जरूरतमंद लोगों तक मदद पहुंचाई जाए।

एपीसीसीएफ के 7 में से 6 पद खालीः वन विभाग में अफसरों की कमी

रायपुर। वन विभाग में वरिष्ठ आईएफएस (आईएफएस) अधिकारियों का अकाल इस कदर गहरा गया है कि विभाग को व्यवस्था चलाने के लिए सेवानिवृत्त एसडीओ ही नहीं मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) रैंक के अधिकारियों की सेवाएं 'दिहाड़ी' (डेली वेजेस) की तर्ज पर लेनी पड़ रही हैं।

नियमित संविदा नियुक्ति की फाइलें अटकने के बाद विभाग रिटायर्ड अफसरों को 'एक्सपर्ट' बनाकर रोजाना उपस्थिति के हिसाब से भुगतान कर रहा है। अब इसी फॉर्मूले पर दो और रिटायर्ड सीसीएफ को रखने की कागजी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पड़ताल में पता चला है अफसरों की कमी के चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। वन मुख्यालय में आईएफएस अधिकारियों के स्वीकृत 29 पदों के मुकाबले केवल 12 अफसर ही पदस्थ हैं। सबसे गंभीर स्थिति अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक

(एपीसीसीएफ) रैंक के अफसरों की है।

इस रैंक के 7 पद स्वीकृत हैं। यहां सिर्फ 1 नियमित अधिकारी उपलब्ध हैं। इस भारी कमी को दूर करने के लिए 3 वरिष्ठ सीसीएफ अधिकारियों को एपीसीसीएफ का अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया गया है।

जो पहले से ही तीन-तीन और चार-चार विभागों की जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं। इस वजह से प्रशासनिक व्यवस्था का संचालन में दिक्कत हो रही है।

आंकड़ों में जाने खाली पदों की हकीकत

29 स्वीकृत पदः मुख्यालय में आईएफएस अफसरों के, काम कर रहे सिर्फ 12

07 पद स्वीकृतः एपीसीसीएफ स्तर के, उपलब्ध केवल 01 अधिकारी

03 सीसीएफः संभाल रहे एपीसीसीएफ का अतिरिक्त प्रभार

3-4 प्रभारः एक-एक वरिष्ठ अधिकारी के पास

इसलिए शुरू की 'डेली वेजेस' सिस्टम अफसरों की कमी दूर करने के लिए वन विभाग ने शासन को कई बार संविदा नियुक्ति के प्रस्ताव भेजे, लेकिन उन्हें मंजूरी नहीं मिल सकी। इसके काट के रूप में रिटायर्ड एसडीओ और आईएफएस अधिकारियों को 'एक्सपर्ट' के रूप में तैनात करने का रास्ता चुना गया। इस व्यवस्था की खास बात यह है कि इन रिटायर्ड अफसरों को कोई तय मासिक वेतन या संविदा मानदेय नहीं मिलता। अफसर जितने दिन दफ्तर में आकर काम करते हैं, केवल उन्हीं दिनों का भुगतान किया जाता है।

4500 रुपए तक प्रतिदिन की दर तय विभाग ने पद के अनुसार सेवानिवृत्त अफसरों के लिए करीब 3,500 से 4,500 रुपए प्रतिदिन की दर निर्धारित की है। यानी राज्य के वरिष्ठतम प्रशासनिक कैडर के अधिकारी भी एक तरह से 'डेली वेजेस' सिस्टम पर काम करने को मजबूर हैं।

2023-24 में बना था नियुक्ति का फार्मूला वरिष्ठ आईएफएस अफसरों की कमी 2023-24 में ही गंभीर रूप ले चुकी थी। तत्कालीन स्थिति की समीक्षा के बाद शासन ने आदेश जारी कर मुख्यालय व अन्य कार्यालयों में सेवानिवृत्त अधिकारियों को 'एक्सपर्ट' के रूप में रखने और उनका प्रतिदिन का मानदेय तय करने का प्रावधान किया था। अब उसी आदेश का सहारा लेकर विभाग अपनी व्यवस्था खींच रहा है।

अफसरों की कमी दूर करना जरूरीः PCCF

अफसरों की कमी काफी अर्से से बनी हुई है। पिछले एक साल से स्थिति ज्यादा बिगड़ी है। इस वजह से 2023-24 में ही एक आदेश जारी किया गया था। अफसरों की कमी दूर करना जरूरी है, ताकि काम किसी तरह प्रभावित ना हो।
-अरूण पाण्डेय, पीसीसीएफ

रायपुर में एक हजार से ज्यादा दिव्यांगों को मिलेगी मशीन

रायपुर। रायपुर में सोमवार 3 अगस्त को दिव्यांगों के लिए सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित होगा। जिला प्रशासन की ओर से सुबह 10 बजे बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में होने वाले इस कार्यक्रम में चयनित दिव्यांगों को उनकी जरूरत के अनुसार उपकरण दिए जाएंगे।

समाज कल्याण विभाग ने जिले के करीब 1006 दिव्यांगजनों का चयन किया है। इन्हें ट्राइसाइकिल, मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, कृत्रिम पैर, कृत्रिम हाथ, हियरिंग एड समेत अन्य सहायक उपकरण दिए जाएंगे। इनसे दिव्यांगजनों के चलने-फिरने और रोजमर्रा के काम आसान होंगे।

इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वे चयनित हितग्राहियों को सहायक उपकरण वितरित करेंगे। जिला प्रशासन के प्रोजेक्ट सहारा के तहत यह पहल दिव्यांगजनों को जरूरत के मुताबिक मदद उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की जा रही है। इस मौके पर जिला प्रशासन के नवाचारों की जानकारी भी दी जाएगी। वहीं प्रोजेक्ट वंदन के तहत हाल ही में सेवानिवृत्त हुए शासकीय कर्मचारियों को पीपीओ और सेवानिवृत्ति से जुड़े दस्तावेज सौंपे जाएंगे। साथ ही विभिन्न योजनाओं के कुछ हितग्राहियों का सम्मान भी किया जाएगा।

E20 पेट्रोल के खिलाफ, क्कका दिल्ली मार्चः छत्तीसगढ़ से हजारों कार्यकर्ता 4 अगस्त को करेंगे PM आवास का घेराव

रायपुर। आम आदमी पार्टी 4 अगस्त को केंद्र सरकार की ई20 पेट्रोल नीति के खिलाफ दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास का घेराव करेगी। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के आह्वान पर होने वाले इस प्रदर्शन में छत्तीसगढ़ से भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे। **AAP** छत्तीसगढ़ के मुताबिक, प्रदेश की सभी 90 विधानसभा सीटों से करीब 50-50 कार्यकर्ताओं को दिल्ली भेजने की तैयारी की गई है। पार्टी का दावा है कि छत्तीसगढ़ से हजारों कार्यकर्ता दिल्ली कूच करेंगे और केंद्र सरकार की श्व20 नीति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे।

आम आदमी पार्टी का आरोप है कि ई20 पेट्रोल नीति की वजह से वाहन मालिकों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पार्टी का दावा है कि इससे गाड़ियों में तकनीकी खराबी, माइलेज में कमी और मेंटेनेंस का खर्च बढ़ रहा है। **AAP** का कहना है कि इन शिकायतों के बावजूद केंद्र सरकार नीति की समीक्षा नहीं कर रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि यह आंदोलन सिर्फ ई20 पेट्रोल नीति के विरोध तक सीमित नहीं है, बल्कि आम लोगों के आर्थिक हितों से जुड़ा मुद्दा है।

रायपुर में अनुरेख भर्ती परीक्षा देने 36.9% कैंडिडेट पहुंचेः 8,821 में से 3,252 अभ्यर्थी हुए शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल की ओर से अनुरेख (सिविल) भर्ती परीक्षा रविवार को रायपुर जिले के 27 परीक्षा केंद्रों में शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई।

परीक्षा में कुल 8,821 अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, लेकिन इनमें से सिर्फ 3,252 अभ्यर्थी ही परीक्षा देने पहुंचे, जबकि 5,569 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

यानी इस परीक्षा में करीब 36.9% उपस्थिति दर्ज की गई, जबकि 63.1% अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। परीक्षा सुबह

10 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक आयोजित की गई।

परीक्षा से पहले गोपनीय सामग्री का वितरण जिला कोषालय से किया गया था। सभी परीक्षा केंद्रों पर आयोग की गाइडलाइन के मुताबिक फ्रिस्किंग, पहचान सत्यापन और अन्य सुरक्षा इंतजाम किए गए।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर परीक्षा के लिए पहले ही प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई थी। डिप्टी कलेक्टर उत्तम प्रसाद रजक को नोडल अधिकारी और रोजगार अधिकारी केदारनाथ पटेल को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया था।

परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, बिजली और बैठने जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई।

पद्म विभूषण तीजन बाई की धरोहर पर परिवार का बड़ा फैसला, सरकार को दिया प्रतिकृति बनाने का विकल्प

रायपुर। पद्म विभूषण से सम्मानित अंतरराष्ट्रीय पंडवानी गायिका डॉ. तीजन बाई की ऐतिहासिक कला-धरोहर को सहेजने की कवायद के बीच परिवार और संस्कृति विभाग के बीच बातचीत का दौर जारी है। एक तरफ जहां परिजनों ने फिलहाल तंबूरा सौंपने से मना कर दिया है, वहीं संस्कृति विभाग को अब भी उम्मीद है कि परिवार मान जाएगा। तीजन बाई की बहन की बहु वेणु देशमुख ने बातचीत में भावुक होते हुए कहा, मां के जाने से हमारा घर पहले ही सूना हो चुका है। उनका तंबूरा केवल एक वाद्य यंत्र नहीं, बल्कि उनकी जीती-जागती पहचान है। अगर इसे भी दे देंगे, तो हमारे पास उनकी याद के तौर पर कुछ नहीं बचेगा।

वेणु देशमुख ने बताया कि तीजन बाई का पोता पंडवानी गायन सीख रहा है और आकाशवाणी, नया रायपुर, नागपुर व भिलाई में प्रस्तुतियां दे चुका है। परिवार चाहता है कि तीजन बाई की तान और परंपरा को उनका पोता इसी तंबूरे के साथ आगे बढ़ाए। परिजनों ने विभाग को विकल्प दिया है कि वे चाहें तो असली तंबूरे की प्रतिकृति (कॉपी) बनवाकर संग्रहालय में रख लें, लेकिन मूल तंबूरा और वेशभूषा परिवार अपने घर में ही स्मारक बनाकर सुरक्षित रखेगा।

दूसरी ओर, इस पूरे मामले पर संस्कृति संचालक संजय कन्नौजे ने विभाग का पक्ष रखते हुए बताया कि अधिकारी तंबूरे के आग्रह के लिए परिजनों से मिलने गए थे। हम उनके घर तंबूरे के लिए गए थे। अभी-अभी उनके घर में यह दुखद घटना घटी है, इसलिए वे लोग काफी भावुक हैं। उनका पोता भी अभी बीमार है। फिलहाल उन्होंने मना कर दिया है, लेकिन हमें पूरी उम्मीद है कि वे राजी हो जाएंगे। हम इस संबंध में एक बार फिर से उनसे बातचीत और प्रयास करेंगे।

सर्विस लेन दोगुनी चौड़ीःरायपुर के टाटीबंध से भिलाई के नेहरु नगर तक दोपहिया वाहनों के लिए अलग लेन, मेन लेन में एंट्री बंद हो जाएगी

रायपुर/भिलाई। एनएच-53 पर हादसे रोकने के लिए रायपुर के टाटीबंध चौक से भिलाई के नेहरू नगर चौक तक ट्रैफिक सिस्टम बदला जाएगा। मेन और सर्विस लेन के बीच क्रैश बैरियर लगाए जाएंगे। इसके बाद सर्विस लेन को 3 मीटर से बढ़ाकर 6 मीटर चौड़ा किया जाएगा।

काम पूरा होने पर दोपहिया वाहनों की मेन लेन में आवाजाही बंद कर उन्हें सर्विस लेन से गुजारा जाएगा। नियम तोड़ने वालों की निगरानी के लिए पूरे रूट पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे। बता दें कि टाटीबंध से नेहरू नगर चौक तक दूरी करीब 26 किमी है। फ्लाईओवर वाले हिस्से को छोड़कर दोनों ओर 18-18 किमी में बैरियर लगेंगे। खुर्सीपार चौक, भिलाई-3 और चरोदा सहित जहां मिडिल कट हैं, वहां आवाजाही के लिए जगह छोड़ी जाएगी। एजेंसी चयन की निविदा अंतिम चरण में है। दो-तीन महीने में काम शुरू होने की संभावना है।

सर्विस लेन चौड़ी करने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया है। हाईवे किनारे पर्याप्त जगह है,

लेकिन कई स्थानों पर अतिक्रमण के कारण लेन संकरी हो गई है। चौड़ीकरण से पहले ये कब्जे हटाए जाएंगे।

एनएच-53 मुंबई, कोलकाता और दक्षिण भारत को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है। इससे रोज करीब 54 हजार वाहन गुजरते हैं। हर साल ट्रैफिक करीब 5% बढ़ रहा है। कुल वाहनों में लगभग 20% यानी 11 हजार दोपहिया हैं। भारी वाहनों के साथ मेन लेन पर दोपहिया चलने से इनके दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा अधिक रहता है। विभाग का अनुमान है कि दोपहिया वाहनों को सर्विस लेन में शिफ्ट करने से हादसे कम होंगे।

स्टील या कंक्रीट से बने क्रैश बैरियर टक्कर लगने पर मुड़कर वाहन की रफ्तार और झटका कम करते हैं। इससे वाहन के पलटने या दूर तक उछलने का खतरा घटता है। बैरियर लगने से मवेशियों को मेन लेन में आने से रोकने में भी मदद मिलेगी।

तीन साल में 152 मौतें, इस साल जुलाई तक 36

दोनों ओर 18-18 किमी में क्रैश बैरियर लगाए जाएंगे। सर्विस लेन को दोगुना चौड़ा करने के लिए केंद्र की मंजूरी का इंतजार है। **-आरएस गंजीर, एसडीओ, पीडब्ल्यूडी (एनएच)**

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन आर्थिक दृष्टि से आपके लिए शुभ संकेत लेकर आया है। कारोबार में आमदनी बढ़ाने के नए रास्ते खुल सकते हैं और लंबे समय से रुकी हुई योजनाओं को गति मिलेगी। नौकरीपेशा लोगों के विचार स्पष्ट रहेंगे, जिससे महत्वपूर्ण निर्णय लेने में आसानी होगी। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और आपके कार्यों की सराहना हो सकती है।

वृषभ। आज का दिन उत्साह, ऊर्जा और सकारात्मकता से भरपूर रहेगा। आपके चेहरे की मुस्कान दूसरों को भी प्रभावित करेगी। विद्यार्थियों का मानसिक तनाव कम होगा और पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ेगी। व्यापारियों को नए अवसर मिल सकते हैं, जिससे धन लाभ के योग मजबूत होंगे। नौकरीपेशा लोगों को अपनी मेहनत का उचित फल मिलेगा और वरिष्ठ अधिकारियों से प्रशंसा प्राप्त हो सकती है।

मिथुन। आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा और लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपके काम की सराहना होगी तथा मान-सम्मान में वृद्धि होगी। व्यापारियों को अनुभवी लोगों की सलाह से अच्छा लाभ मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों के लिए नई जिम्मेदारियां सफलता का मार्ग खोल सकती हैं। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा।

कर्क। आज कार्यक्षेत्र में संयम और धैर्य बनाए रखना आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण रहेगा। किसी भी विवाद से बचें और सोच-समझकर निर्णय लें। आर्थिक मामलों में जल्दबाजी नुकसान पहुंचा सकती है, इसलिए निवेश या लेन-देन में सावधानी बरतें। परिवार का सहयोग मिलेगा और जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर बने रहेंगे। स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहें तथा खान-पान में लापरवाही न करें। व्यापार में सामान्य लाभ रहेगा।

सिंह। आज का दिन आपके लिए नई उपलब्धियों और प्रगति का संकेत लेकर आया है। लंबे समय से रुके हुए कार्यों में गति आएगी और करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर मिल सकते हैं। व्यापार में लाभ के योग हैं तथा आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और उनकी मेहनत की सराहना होगी। परिवार में आनंद और उत्साह का वातावरण रहेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर बने रहेंगे।

कन्या। आज खर्चों पर नियंत्रण रखना आपके लिए आवश्यक रहेगा। अनावश्यक खरीदारी या निवेश से बचें और आर्थिक योजनाओं को सोच-समझकर आगे बढ़ाएं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें तथा परिवार के साथ समय बिताएं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी और नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। व्यापार में सामान्य लाभ मिलेगा, लेकिन धैर्य बनाए रखना जरूरी होगा।

तुला। आज पैसों के लेन-देन में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। किसी को उधार देने या बिना सोचे-समझे निवेश करने से बचें। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। व्यापारियों को सामान्य लाभ मिलेगा, लेकिन बड़े निर्णय फिलहाल टालना बेहतर रहेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक। आज का दिन व्यापार और आर्थिक मामलों में अत्यंत लाभदायक साबित हो सकता है। किसी नए प्रोजेक्ट से अच्छा मुनाफा मिलने के योग हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी तथा नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। परिवार में खुशी का वातावरण रहेगा और प्रियजनों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में पहले की तुलना में सुधार महसूस होगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में सफलता मिलने के संकेत हैं।

धनु। आज पारिवारिक जीवन में सामंजस्य और खुशहाली बनी रहेगी। घर के सदस्यों के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा। कार्यस्थल पर भावनात्मक निर्णय लेने से बचें और व्यावसायिक दृष्टिकोण अपनाएं। व्यापार में सामान्य लाभ मिलेगा तथा नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी और खर्चों पर नियंत्रण बना रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन पर्याप्त आराम करना आवश्यक होगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है।

मकर। आज कार्यक्षेत्र में काम का दबाव अधिक रह सकता है, लेकिन धैर्य और अनुशासन से आप सभी जिम्मेदारियां सफलतापूर्वक निभाएंगे। किसी भी बड़े निर्णय में जल्दबाजी न करें और अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य लें। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखें तथा अनावश्यक खर्चों से बचें। परिवार का सहयोग मिलेगा और जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन तनाव कम करने के लिए नियमित व्यायाम और ध्यान करें। विद्यार्थियों को मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा।

कुंभ। चंद्रमा का गोचर आपकी ही राशि में होने से आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिन्हें धैर्य और समझदारी से पूरा करना होगा। परिवार और स्वास्थ्य दोनों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखें और अनावश्यक खर्चों से बचें। व्यापार में सामान्य लाभ मिलेगा, जबकि नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा।

मीन। आज मन में थोड़ा असमंजस या भटकाव महसूस हो सकता है, इसलिए किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय में जल्दबाजी न करें। सकारात्मक और प्रेरणादायक लोगों का साथ आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा। कार्यक्षेत्र में मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा और धीरे-धीरे प्रगति के रास्ते खुलेंगे। व्यापार में सामान्य लाभ रहेगा तथा आर्थिक स्थिति संतुलित बनी रहेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा और जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन मानसिक शांति के लिए ध्यान और योग लाभदायक रहेंगे। विद्यार्थियों को पढ़ाई में अधिक एकाग्रता रखने की आवश्यकता होगी।

तसर नवाचार में प्रीति को राष्ट्रपति भवन में मिला राष्ट्रीय सम्मान

झारखंड की एकमात्र ग्रासरूट इनोवेटर:पति की पेंशन से शुरू की कंपनी, 750 परिवारों को दे रहीं रोजगार

रांची। तसर आधारित नवाचार के जरिए ग्रामीण और आदिवासी महिलाओं को रोजगार से जोड़ने वाली बरियातू निवासी प्रीति कुमार को नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन के ग्रासरूट्स इनोवेटर रिकग्निशन-2026 से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति भवन में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने उन्हें सम्मानित किया। देशभर के 26 चयनित नवप्रवर्तकों में प्रीति झारखंड की एकमात्र प्रतिनिधि रहीं।

प्रीति ने वर्ष 2024 में लुगम कोकून प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना कर स्वदेशी तकनीक से उच्च गुणवत्ता वाला तसर धागा विकसित किया। उनकी पहल से रामगढ़ और हजारीबाग के 750 से अधिक परिवारों, जिनमें लगभग 99% महिलाएं हैं, को आजीविका मिली है। तसर प्रसंस्करण से जुड़े नवाचारों के माध्यम से उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का सफल मॉडल भी तैयार किया।

स्वदेशी तसर धागे से चीन पर निर्भरता घटाने की पहल प्रीति ने पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से उच्च गुणवत्ता वाला तसर धागा विकसित किया है, जिससे तसर वस्त्र निर्माण में चीन से आयातित ताना धागे पर निर्भरता कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। उन्होंने तसर कोकून प्रसंस्करण के दौरान बचने वाले पानी से सेरिसिन प्रोटीन तैयार करने की तकनीक भी विकसित की, जिसका उपयोग दवा उद्योग में होता है। वहीं मृत प्यूपा का उपयोग मछली आहार के रूप में किया जा रहा है। वर्तमान में रामगढ़ के सिकनी और हजारीबाग के कजरी गांव में संचालित इकाइयों में लगभग 99 प्रतिशत महिलाएं कार्यरत हैं।

राष्ट्रपति ने नवाचार की जानकारी ली राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रीति कुमार से करीब आधे घंटे तक बातचीत की। उन्होंने तसर आधारित नवाचार, ग्रामीण और आदिवासी महिलाओं को रोजगार देने की पहल तथा तैयार किए जा रहे उत्पादों के बारे में विस्तार से जानकारी ली।

15 महिलाओं से शुरू हुआ सफर, आज 200 मशीनें चल रहीं झारखंड शिक्षा विभाग में परियोजना पदाधिकारी के रूप में कार्य करते हुए प्रीति ने बालिका शिक्षा और बिरहोर जनजाति के विकास के क्षेत्र में काम किया। पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण नौकरी छोड़ी। सेंट्रल सिल्क बोर्ड से मशीन लेकर उन्होंने 15 महिलाओं के साथ काम शुरू किया। आज करीब 200 मशीनों पर उत्पादन हो रहा है। उन्होंने अपने घर को ही कार्यालय और वेयरहाउस में बदल दिया। शुरुआती दौर में आर्थिक संसाधनों की कमी जैसी कई चुनौतियां आईं, लेकिन आज 'ट्राइब्स इंडिया' से बड़े ऑर्डर मिल रहे हैं और उत्पाद देशभर में भेजे जा रहे हैं।

पहली सोमवारी पर देवघर में उमड़ा आस्था का सैलाबः 5 किमी लंबी कांवरियों की लाइन, 'हर-हर महादेव' से गूंजा पूरा धाम

देवघर। द्वादश ज्योतिर्लिंगों में शामिल बाबा बैद्यनाथ धाम में सावन की पहली सोमवारी पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा है। विश्व प्रसिद्ध राजकीय श्रावणी मेले के दौरान देश के कोने-कोने से पहुंचे लाखों कांवरिए आधी रात से कतार में लग कर जलार्पण कर रहे हैं।

कांवरियों की लाइन लगभग पांच किलोमीटर लंबी हो चुकी है। बाबा मंदिर में जलार्पण का सिलसिला जारी है। न केवल बाबा मंदिर परिसर बल्कि पूरा देवघर शहर 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयघोष से गूंज रहा है। जिला प्रशासन का अनुमान है कि आज तकरीबन ढाई लाख श्रद्धालू बाबा बैद्यनाथ को जल अर्पित करेंगे।

सुल्तानगंज की उत्तरवाहिनी गंगा से पवित्र जल लेकर करीब 108 किलोमीटर की कठिन पैदल यात्रा पूरी कर कांवरिये देवघर पहुंचे हैं। श्रद्धालु नंदन पहाड़, बरमसिया बीएड कॉलेज, तिवारी चौक, शिवराम झा चौक, नेहरू पार्क, मानसरोवर क्यू कॉम्प्लेक्स और फुट ओवर ब्रिज होते हुए संस्कार भवन मार्ग से मंदिर की ओर बढ़ रहे हैं।

भीड़ को नियंत्रित करने और सुगम जलार्पण के लिए मंदिर के गर्भगृह के बाहर अरघा की व्यवस्था की गई है, जिससे श्रद्धालु बाहर से ही जल अर्पित कर रहे हैं। वहीं मंदिर परिसर के बाहर बाह्य अरघा की सुविधा भी दी गई है, जो बुजुर्गों, दिव्यांगों और लंबी कतार में खड़े होने में असमर्थ श्रद्धालुओं के लिए राहत साबित हो रही है।

पहली सोमवारी को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। मेला क्षेत्र और कांवरिया पथ पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। जिला प्रशासन के अनुसार, आज करीब ढाई लाख कांवरियों के देवघर पहुंचने की संभावना है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा के लिए सभी जरूरी इंतजाम पहले से दुरुस्त कर लिए गए हैं।

श्रावणी मेला के बीच रेलवे का बड़ा फैसलाः मधुपुर-पटना और भागलपुर-देवघर रूट पर चलेंगी विशेष ट्रेनें

जामताड़ा। श्रावणी मेला-2026 के दौरान बाबा नगरी पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती भीड़ को देखते हुए पूर्व रेलवे ने बड़ा निर्णय लिया है। यात्रियों की सुविधा और भीड़ प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए मधुपुर-पटना और भागलपुर-देवघर रूट पर विशेष ट्रेनों के संचालन की घोषणा की गई है। हर साल की तरह इस बार भी श्रावणी मेला में लाखों कांवरिया और श्रद्धालु देवघर पहुंच रहे हैं। जिससे ट्रेनों में अत्यधिक भीड़ देखी जा रही है। ऐसे में रेलवे का यह कदम यात्रियों को राहत देने के साथ-साथ यात्रा को सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इन विशेष ट्रेनों के संचालन से नियमित ट्रेनों पर दबाव कम होगा और यात्रियों को बेहतर सुविधा मिल सकेगी। रेलवे द्वारा जारी जानकारी के अनुसार मधुपुर-पटना विशेष मेमू ट्रेन (03555) का संचालन 2 अगस्त से 29 अगस्त तक प्रतिदिन किया जाएगा। यह ट्रेन मधुपुर से रात 8:30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 4:05 बजे पटना पहुंचेगी।

वहीं वापसी में 03556 पटना-मधुपुर विशेष ट्रेन 3 अगस्त से 30 अगस्त तक प्रतिदिन पटना से सुबह 4:30 बजे रवाना होकर दोपहर 12:15 बजे मधुपुर पहुंचेगी। दोनों दिशाओं में इस ट्रेन का ठहराव जसीडीह और सिमुलतला स्टेशनों पर निर्धारित किया गया है। इसके अलावा भागलपुर-देवघर के बीच अनारक्षित विशेष ट्रेन (03412) का संचालन 3, 4, 8, 9, 10, 11, 15, 16, 17, 18, 22, 23, 24, 25, 29 और 30 अगस्त को किया जाएगा। यह ट्रेन भागलपुर से शाम 5:30 बजे चलकर रात 9:30 बजे देवघर पहुंचेगी। वापसी में 03411 देवघर-भागलपुर विशेष ट्रेन इन्हीं तिथियों पर रात 10:20 बजे देवघर से प्रस्थान कर अगले दिन रात 2:10 बजे भागलपुर पहुंचेगी।

तीन राज्यों में 4 दिन चली आयकर की छापेमारी खत्मः 350 करोड़ का हिसाब नहीं दे पाई रामकृपाल सिंह कंस्ट्रक्शन

रांची। निर्माण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी मेसर्स रामकृपाल सिंह कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड और उसकी 10 सहयोगी कंपनियों के ठिकानों पर आयकर विभाग (अनुसंधान शाखा) की चार दिनों से जारी व्यापक छापेमारी रविवार को समाप्त हो गई।

झारखंड, बिहार और हरियाणा में चली इस कार्रवाई में विभाग को करीब 350 करोड़ रुपए की वित्तीय अनियमितता की जानकारी मिली है, जिसका कंपनी प्रबंधन कोई हिसाब नहीं दे सका है। इसके अतिरिक्त आयकर की टीम को 50 करोड़ रुपए के हवाला ट्रांजेक्शन के भी प्रमाण मिले हैं। इस आधार पर विभाग अब कंपनी पर पेनाल्टी लगाने की तैयारी में है। छापेमारी के दौरान मिले व्हाट्सएप चैट और डिजिटल साक्ष्यों ने हवाला के जरिए रकम के लेन-देन को उजागर किया है।

रांची से लेकर गुरुग्राम तक चली कार्रवाई यह पूरी कार्रवाई झारखंड के रांची (कचहरी रोड स्थित पंचवटी प्लाजा, फ्लैट 702), बिहार के बेगूसराय (कृष्णा नगर कार्यालय) और हरियाणा के गुरु ग्राम (सेक्टर-54, सनसिटी शॉपिंग आर्केड) स्थित कॉरपोरेट ऑफिस समेत अन्य ठिकानों पर 200 से अधिक अधिकारियों और जवानों की मौजूदगी में की गई। इस जांच के दायरे में मेसर्स रामकृपाल सिंह कंस्ट्रक्शन (आरकेएससी) के अलावा आयुष श्रेयस प्रॉपर्टी प्राइवेट लिमिटेड, आरकेएससीपीएल इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड और आरकेएससीपीएल प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड जैसी सहयोगी कंपनियां शामिल हैं, जो राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधीन सड़क, स्टेडियम, पुल-पुलिया, आवासीय परिसर और खनन क्षेत्र में कार्यरत हैं।

आगे क्या... अब नोटिस के बाद पेनाल्टी की तैयारी आयकर विभाग 350 करोड़ रु. की अनअकाउंटेड रकम और कर चोरी के आधार पर विभाग कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी कर आयकर अधिनियम की धारा 271(1)(c) टैक्स डिमांड के साथ भारी पेनाल्टी और ब्याज का नोटिस जारी कर सकता है। हवाला के मामलों की रिपोर्ट आगे की दंडात्मक कार्रवाई के लिए संबंधित एजेंसी को भेजी जा सकती है।

हाथी को ग्रामीणों ने खदेड़ा तो कुएं में गिराः रात 12 बजे से 4 घंटे मशक्कत कर हाथी को कुएं से निकाला, जंगल लौटा

रांची। मानव-हाथी संघर्ष की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। शनिवार देर रात लापुंग के जरिया मंगराटोली गांव में हाथियों का झुंड घुस आया। हाथियों ने धान के बिचड़े और मड़ुआ की फसल रौंद दी। इस दौरान एक हाथी ने शिक्षक बेंजामिन के घर की बाउंड्री भी तोड़ दी।

ग्रामीणों ने एकजुट होकर हाथियों को खदेड़ा, जिसके बाद झुंड डंगरा जंगल की ओर लौटने लगा। इसी दौरान एक हाथी जंगल किनारे खेत में बने कुएं में गिर गया, जबकि बाकी हाथी जंगल की ओर चले गए।

हाथी के कुएं में गिरने की सूचना रात करीब 12 बजे ग्रामीण सुशील बरला और अनमोल बरला ने वन विभाग को दी। तब बेड़ो रेंज की रेंजर गायत्री देवी के निर्देश पर रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। वनरक्षी सुभाषचंद्र प्रमाणिक ने ग्रामीण रामकिशोर सिंह से पोकलेन मशीन मंगवाकर कुएं के समानांतर ढलान बनाने का काम शुरू कराया।

करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद कुएं के एक किनारे की मिट्टी काटकर रास्ता तैयार किया गया। जैसे ही ढलान तैयार हुई, हाथी तेजी से बाहर निकला और जंगल की ओर चला गया।

रांची में हाथियों का आतंक कायम रांची के बेड़ो, लापुंग, रातू, ओरमांझी, अनगड़ा और आसपास के इलाकों में बरसात शुरू होते ही हाथियों का मूवमेंट बढ़ गया है। पिछले छह माह में तीन लोगों को हाथी ने कुचल कर मार दिया, वहीं चार लोग घायल हो गए। हाथियों को घेरने का प्रयास न करें वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि गांव में अचानक हाथियों का झुंड आ जाए तो उसके पास जाने या उन्हें घेरने का प्रयास न करें। वन विभाग को तुरंत सूचना दें। पटाखे, तेज रोशनी या शोर तभी करें, जब वन विभाग की टीम निर्देश दे। बच्चों और बुजुर्गों को तुरंत सुरक्षित स्थान पर पहुंचाएं। अकेले खेत या जंगल की ओर न जाएं। हाथी के रास्ते में वाहन या ट्रैक्टर खड़ा न करें।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

5		6						
4	7		1	3	9		5	
						4	8	
2	5	9	3			8	6	7
		4		7	5		3	1
	3	1		2	6		4	
		3	7			5	9	
		5	6	9				8
	2							6

पिछले अंक का उत्तर

6	3	9	8	4	1	2	7	5
7	2	4	9	5	3	1	6	8
1	8	5	7	2	6	3	9	4
2	5	6	1	3	7	4	8	9
4	9	1	5	8	2	6	3	7
8	7	3	4	6	9	5	2	1
5	4	2	3	9	8	7	1	6
3	1	8	6	7	5	9	4	2
9	6	7	2	1	4	8	5	3

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

आज से 6 तक भारी बारिश का यलो अलर्ट

भावना। मौसम विभाग ने 3 से 6 अगस्त तक राज्य के कई जिलों में भारी बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने और वज्रपात की संभावना जताई गई है। 3 अगस्त को संताल परगना के जिलों, 4 अगस्त को पलामू प्रमंडल समेत मध्य झारखंड और 5-6 अगस्त को राज्य के कई अन्य जिलों में भारी बारिश का अनुमान है। इधर, राजधानी में रविवार को दिनभर आसमान में बादल छाए रहे, हालांकि बारिश नहीं हुई। वहीं, राज्य के कुछ हिस्सों में गर्जन के साथ हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश दर्ज की गई। पिछले 24 घंटे में हजारीबाग में सबसे अधिक 43.2 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई।

3 अगस्त : गोड्डा, साहेबगंज, दुमका, पाकुड़, दुमका, देवघर जिलों में भारी बारिश का यलो अलर्ट, 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी।

4 अगस्त : गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, कोडरमा, हजारीबाग, रामगढ़ में भारी बारिश का यलो अलर्ट है।

कॉमनवेल्थ में बॉक्सिंग भारत की ताकत, एथलेटिक्स में गोल्ड नहीं:39 मेडल के साथ चौथे स्थान पर; 123 खिलाड़ियों में 38 मेडलिस्ट, सक्सेस रेट 31%

स्पोर्ट्स डेस्क। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत ने 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज समेत कुल 39 मेडल जीते। वह मेडल टैली में चौथे नंबर पर रहा।

पहली नजर में यह प्रदर्शन बर्मिंघम 2022 के 61 मेडल से कमजोर दिख सकता है, लेकिन आंकड़े अलग कहानी बताते हैं।

इस बार ग्लासगो में सिर्फ 10 खेल शामिल थे, जबकि बर्मिंघम में 19 खेल खेले गए थे। बैडमिंटन, कुश्ती, शूटिंग, हॉकी, टेबल टेनिस और क्रिकेट जैसे खेल ग्लासगो गेम्स का हिस्सा नहीं थे, जिनसे 2022 में भारत को 30 पदक मिले थे।

इसके अलावा भारत ने 210 खिलाड़ियों की जगह सिर्फ 123 खिलाड़ियों का दल भेजा। इनमें से 38 खिलाड़ी मेडल जीतकर लौटे, यानी सक्सेस रेट 31% रहा। बर्मिंघम में यह आंकड़ा 29% था।

भारत के 39 पदकों में सबसे बड़ा योगदान बॉक्सिंग का रहा। मुक्केबाजों ने 7 गोल्ड और 3 सिल्वर समेत कुल 10 मेडल जीते। यानी हर चार में से एक मेडल बॉक्सिंग से आया। एथलेटिक्स में 10 मेडल आए, लेकिन इसमें गोल्ड नहीं मिला।

वेटलिफ्टिंग से 8, पैरा एथलेटिक्स से 6, जूडो से 4 और पैरा पावरलिफ्टिंग से 1 मेडल मिला। कुल मिलाकर 39 में से 37 पदक सिर्फ पांच खेलों से आए।

भारत 13 गोल्ड के साथ मेडल टैली में चौथे स्थान पर रहा। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और कनाडा उससे आगे रहे। खेलों की संख्या कम होने और दल छोटा होने के बावजूद टीम टॉप-4 में पहुंच गई।

2022 बर्मिंघम गेम्स में 22 गोल्ड के साथ भारत चौथे स्थान पर था।

कॉमनवेल्थ गेम्स शुरू होने से पहले भारतीय ओलिंपिक संघ और विभिन्न खेल महासंघों की इंटरनल रिपोर्ट में भारत को 6 गोल्ड समेत 31 मेडल मिलने का अनुमान लगाया गया था। भारतीय खिलाड़ियों ने अनुमान से दोगुना से भी ज्यादा गोल्ड जीते। कुल मेडल में भी आगे निकल गए।

भारत की सबसे ज्यादा उम्मीदें बॉक्सिंग, वेटलिफ्टिंग और एथलेटिक्स से थीं, जिन्होंने मिलकर 26 मेडल दिलाए। हालांकि, एथलेटिक्स में भारत को सबसे बड़ा झटका लगा और टीम एक भी गोल्ड मेडल नहीं जीत सकी।भारत का सबसे सफल खेल बॉक्सिंग रहा। 14 मुक्केबाजों के दल में से 10 खिलाड़ी मेडल जीतकर लौटे। इसमें 7 गोल्ड और 3 सिल्वर शामिल रहे। यानी 71% मेडल कन्वर्जन रेट। बर्मिंघम 2022 में यह आंकड़ा 58% था। जैस्मिन लांबोरिया, साक्षी चौधरी, प्रीति पवार, प्रिया घंघास, अरुंधति चौधरी, सचिन सिवाच और अंकुश पंघाल चैंपियन बने।

टोटल- 39

खेल	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल मेडल
बॉक्सिंग	7	3	0	10
एथलेटिक्स	0	5	5	10
वेटलिफ्टिंग	1	6	1	8
पैरा एथलेटिक्स	3	2	1	6
जूडो	2	1	1	4
पैरा पावरलिफ्टिंग	0	0	1	1

बिजनेस न्यूज

शेयर बाजार में जोरदार तेजी, सेंसेक्स 800 अंक उछला; निफ्टी 24,576 के पार

मुंबई। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार, 3 अगस्त को भारतीय शेयर बाजार ने मजबूत शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 800 अंक की तेजी के साथ 78,895 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 200 अंक चढ़कर 24,5763 पर कारोबार करता दिखाई दिया। बाजार में बैंकिंग, आईटी और चुनिंदा ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी का माहौल देखने को मिला, जिससे निवेशकों का उत्साह बढ़ा।

हालांकि एशियाई बाजारों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी करीब 4.55% की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था, जबकि जापान का निक्केई भी 1.74%3 नीचे रहा। दूसरी ओर हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग हल्की बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आया। एशियाई बाजारों की कमजोरी के बावजूद भारतीय बाजार में घरेलू निवेशकों की मजबूत खरीदारी से तेजी बनी रही।

वैश्विक संकेत भी भारतीय बाजार के लिए सकारात्मक रहे। 31 जुलाई को अमेरिकी शेयर बाजार मजबूती के साथ बंद हुए थे। डाउ जोन्स 277 अंक, नैस्डैक3 252 अंक और एसएंडपी 500 52 अंक की बढ़त के साथ बंद हुए। अमेरिकी बाजार की इस तेजी का असर भारतीय बाजार की शुरुआत पर भी देखने को मिला।विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार के लिए उत्साहजनक रहीं। पिछले सात कारोबारी दिनों में एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशकों) ने करीब 7,638 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की है, जबकि डीआईआई (घरेलू संस्थागत निवेशकों) ने भी बाजार में मजबूत निवेश जारी रखा। इससे बाजार की धारणा सकारात्मक बनी हुई है।

आज सोने-चांदी के दाम में बढत : 10 ग्राम सोना 1.43 लाख का बिक रहा, एक किलो चांदी 2.18 लाख पर पहुंची

सोने-चांदी की कीमत में आज यानी 3 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी की कीमत 105 रुपए बढ़कर 2.17 लाख रुपए पर पहुंच गई है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 3 रुपए बढ़कर 1.43 लाख रुपए हो गया है।

इस साल सोने में अब तक तेजी रही

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 10 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10द् सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.43 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी की कीमत में 12 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.18 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर सकते हैं, हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए। अजय केडिया के अनुसार साल के आखिर तक सोना एक बार फिर 1.60 लाख और चांदी 2.80 लाख रुपए तक जा सकती है।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।
2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।
3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।
4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

दलीप ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ का बढ़ा गौरव, सेंट्रल जोन टीम में आयुष पांडे और चंद्रशेखर राव को मिली जगह

अमनदीप खरे स्टैंडबाय खिलाड़ी के रूप में चयनित, 23 अगस्त से बेंगलुरु में होगा प्रतिष्ठित टूर्नामेंट

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ (सीएससीएस) के लिए गर्व की बात है कि बीसीसीआई की प्रतिष्ठित दलीप ट्रॉफी-2026 के लिए सेंट्रल जोन टीम में राज्य के दो खिलाड़ियों और एक सपोर्ट स्टाफ का चयन हुआ है। युवा बल्लेबाज आयुष पांडे को मुख्य टीम में शामिल किया गया है, जबकि अनुभवी बल्लेबाज अमनदीप खरे को स्टैंडबाय खिलाड़ी के रूप में जगह मिली है। इसके साथ ही सीएससीएस के वीडियो एनालिस्ट चंद्रशेखर राव भी सेंट्रल जोन टीम के सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा होंगे।

यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ क्रिकेट के निरंतर विकास और खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन का प्रमाण मानी जा रही है। हाल के रणजी ट्रॉफी सत्र में राज्य के खिलाड़ियों ने जिस तरह का प्रदर्शन किया, उसका सकारात्मक परिणाम अब राष्ट्रीय स्तर पर देखने को मिला है।

रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन का मिला पुरस्कार

आयुष पांडे और अमनदीप खरे ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 में शानदार बल्लेबाजी करते हुए चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। दोनों खिलाड़ियों ने पूरे सीजन में लगातार रन बनाए और टीम को कई महत्वपूर्ण मुकाबलों में मजबूत स्थिति दिलाई। उनके इसी बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर उन्हें दलीप ट्रॉफी जैसे प्रतिष्ठित घरेलू टूर्नामेंट के लिए सेंट्रल जोन टीम में स्थान मिला।

23 अगस्त से शुरू होगा टूर्नामेंट

बीसीसीआई द्वारा आयोजित दलीप ट्रॉफी-2026 का आयोजन 23 अगस्त से 6 सितंबर 2026 तक बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बेंगलुरु में किया जाएगा। सेंट्रल जोन की टीम अपना पहला मुकाबला 30 अगस्त को खेलेगी, जबकि टूर्नामेंट का फाइनल 6 सितंबर को होगा।

छत्तीसगढ़ क्रिकेट के लिए बड़ी उपलब्धि

एक साथ दो खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के सदस्य का सेंट्रल जोन टीम में चयन होना छत्तीसगढ़ क्रिकेट के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। यह राज्य में क्रिकेट प्रतिभाओं के निरंतर उभरने और घरेलू क्रिकेट में मजबूत प्रदर्शन का संकेत है। आने वाले समय में यह उपलब्धि राज्य के युवा क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनेगी।

हार्दिक पंड्या ने सिर मुंडवाया, तिरूपति बालाजी के दर्शन किए

तिरुमाला। भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने रविवार को तिरुमाला के वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (तिरुपति बालाजी) में पूजा-अर्चना की। इस दौरान हार्दिक सिर मुंडवाए हुए थे।

हार्दिक के साथ उनकी गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा भी मौजूद थीं। मंदिर में दर्शन के दौरान हार्दिक और माहिका दोनों ही पारंपरिक सफेद कपड़ों में दिखाई दिए।

तिरुपति मंदिर में श्रद्धालु भगवान वेंकटेश्वर के प्रति अपनी आस्था जताने और मनोकामना पूरी होने पर या उसके लिए प्रार्थना करते हुए मुंडन कराते हैं।

हर साल लाखों लोग यहां अपने बाल दान करते हैं। बाद में इन बालों की नीलामी की जाती है और उससे मिलने वाली आय का उपयोग मंदिर के संचालन और अन्य सामाजिक-धार्मिक कार्यों में किया जाता है।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत का दमदार प्रदर्शन, 39 पदकों के साथ खिलाड़ियों ने बढ़ाया देश का मान

नई दिल्ली। ग्लासगो में आयोजित 11 दिनों तक चले कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश का गौरव बढ़ाया। भारत ने प्रतियोगिता में कुल 39 पदक अपने नाम किए, जिनमें 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक शामिल हैं। इस बेहतरीन प्रदर्शन के साथ भारतीय खिलाड़ियों ने कठिन परिस्थितियों को पीछे छोड़ते हुए दुनिया के सामने अपनी प्रतिभा और जज्बे का परिचय दिया। लंबी दूरी के धावक गुलवीर सिंह ने दो पदक जीतकर भारत के सबसे सफल खिलाड़ियों में जगह बनाई।

इन उपलब्धियों के पीछे संघर्ष, समर्पण और कड़ी मेहनत की प्रेरणादायक कहानियां भी हैं। सबसे चर्चित नाम रहा अस्मिता दहिया का, जिन्होंने भारत को जूडो में पहला स्वर्ण पदक दिलाकर इतिहास रच दिया। अस्मिता एक साधारण परिवार से आती हैं। उनके पिता साइकिल मैकेनिक हैं और सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने बेटी के सपनों को कभी टूटने नहीं दिया। आर्थिक कठिनाइयों के बीच अस्मिता ने लगातार अभ्यास जारी रखा और आखिरकार कॉमनवेल्थ गेम्स के स्वर्ण पदक के साथ अपने परिवार और देश का नाम रोशन कर दिया।

की है। सेना में सेवा के दौरान एक विस्फोट में उन्होंने अपना एक पैर खो दिया था। इस हादसे के बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी। कठिन पुनर्वास और लगातार अभ्यास के दम पर उन्होंने खेलों में वापसी की और कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए पदक जीतकर यह साबित कर दिया कि मजबूत इच्छाशक्ति के सामने कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती।

भारत को 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मशाल सौंपी गईः नीरज, पीटी ऊषा को ध्वज मिला; क्लोजिंग सेरेमनी में शंकर महादेवन

ग्लासगो में 11 दिन तक चले कॉमनवेल्थ गेम्स का समापन हो गया है। रविवार रात को ओवो हाइड्रो एरिना में ऑस्ट्रेलियन सिंगर डेल्टा गूडरेम की परफॉर्मेंस से क्लोजिंग सेरेमनी की शुरुआत हुई।

उसके बाद कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स के प्रेसिडेंट डॉ. डोनाल्ड रुका ने 2030 गेम्स के मेजबान भारत को मशाल सौंपी। यहां नीरज चोपड़ा, इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन की प्रेसिडेंट पीटी ऊषा और गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष संघवी मौजूद रहे।

आखिर शंकर महादेवन, मानुषी छिल्लर, सितार वादक ऋषभ रिखीराम और भूमि त्रिवेदी जैस भारतीय कलाकारों ने इंडियन ट्रेडिशन में गेम्स का स्वागत किया।

ऋषभ रिखीराम सितार और रॉस एंसली ने बैगपाइपर पर जुगलबंदी पेश की। रिखीराम ने शिव तांडव स्त्रोत गाया। 2017 की मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने वंदे मातरम् पर डांस किया।

शंकर महादेवन ने ऐ वतन और भाग मिल्खा मिल्खा गाया। उन्होंने अपने बेटों सिद्धार्थ, शिवम और भूमि त्रिवेदी के साथ परचम लहरा दो...गाने पर परफॉर्मेंस दी।

भारत को मशाल सौंपी गई

नीरज चोपड़ा को कॉमनवेल्थ फ्लैग सौंपते कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स के प्रेसिडेंट डॉ. डोनाल्ड रुका।

सेरेमनी की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन सिंगर डेल्टा गूडरेम, मशहूर बैंड एलीफेंट सेशंस और शेरीन कटकेल्विन की प्रस्तुति में स्कॉटलैंड के कल्चर की झलक दिखी।

खेल और संस्कृति किसी भी शहर की पहचान व प्रगति के महत्वपूर्ण आधारः ओ.पी. चौधरी

धमतरी को मिला दूसरा बॉक्स क्रिकेट मैदान, खेल प्रतिभाओं को मिली नई उड़ान

रायपुर। धमतरी शहर में खेल अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई। जालमपुर वार्ड में निर्मित दूसरे बॉक्स क्रिकेट मैदान का शुभारंभ आज छत्तीसगढ़ शासन के वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण तथा योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री ओ.पी. चौधरी ने फीता काटकर किया। इससे पहले जिले का पहला बॉक्स क्रिकेट मैदान एकलव्य खेल परिसर में विकसित किया गया था।

शुभारंभ के अवसर पर मंत्री चौधरी ने स्वयं बल्ला थामकर मैदान में बल्लेबाजी की और आकर्षक शॉट लगाकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। नगर निगम महापौर रामू रोहरा ने गेंदबाजी की, जबकि बाद में उन्होंने भी बल्लेबाजी कर खेल का आनंद लिया। इस दौरान मैदान तालियों की गूंज और उत्साह से भर उठा।

इस अवसर पर मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि किसी भी शहर की पहचान केवल सड़कों, भवनों और अन्य अधोसंरचनाओं से नहीं होती, बल्कि खेल, संस्कृति और युवाओं के लिए उपलब्ध अवसर भी उसकी प्रगति के महत्वपूर्ण पैमाने होते हैं। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ जीवनशैली का विकास करते हैं। नया बॉक्स क्रिकेट मैदान स्थानीय खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास, प्रतियोगिताओं की तैयारी और अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराएगा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल अधोसंरचना के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है, ताकि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को स्थानीय स्तर पर ही आधुनिक सुविधाएं मिल सकें। इससे प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने के अवसर प्राप्त होंगे।

मंत्री चौधरी ने युवाओं से खेलों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वस्थ और सक्रिय युवा ही सशक्त समाज तथा विकसित राष्ट्र की आधारशिला होते हैं।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि जिला प्रशासन और नगर निगम खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने बताया कि चरणबद्ध तरीके से जिले में खेल अधोसंरचना का विस्तार किया जा रहा है। आने वाले समय में वॉलीबॉल, बैडमिंटन सहित अन्य खेलों के लिए भी आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे खिलाड़ियों को बेहतर अभ्यास और प्रशिक्षण का वातावरण मिलेगा।

शुभारंभ समारोह में लोकसभा सांसद रूपकुमारी चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा, नगर निगम महापौर रामू रोहरा, जनप्रतिनिधिगण, पार्षद, अधिकारी-कर्मचारी, खेल प्रेमी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

नशा जीवन को अंदर से खोखला कर देता है : मंत्री केदार कश्यप

जगदलपुर। जगदलपुर स्थित शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के एमबीए भवन में रविवार को 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान' के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में युवाओं, विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देशव्यापी संबोधन का सीधा प्रसारण देखा और नशामुक्ति की शपथ ली। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में आज के युवा ही देश की दिशा तय करेंगे, इसलिए उन्हें नशे जैसी बुराई से दूर रहना होगा।

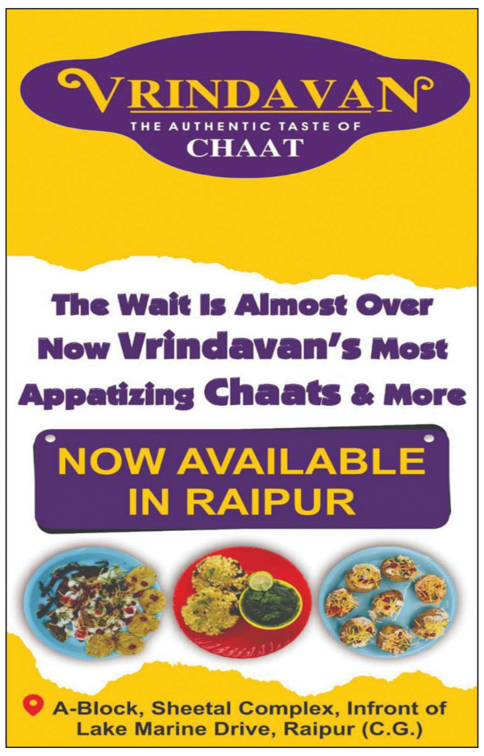

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने किया 'सत्याग्रह' किताब का विमोचन

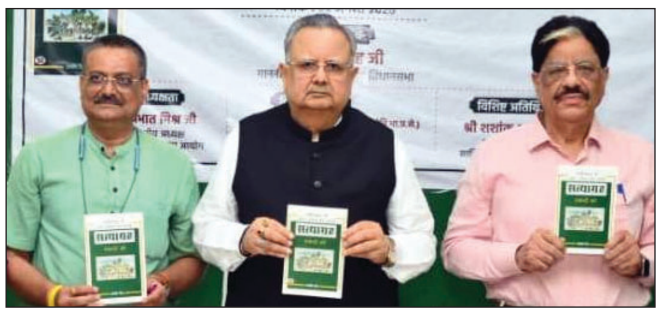

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज शाम यहां शंकर नगर स्थित अपने निवास कार्यालय में सत्याग्रह नामक किताब का विमोचन किया। हरि ठाकुर स्मारक संस्थान रायपुर छत्तीसगढ़ द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुस्तक के लेखक साहित्यकार एवं पत्रकार स्वर्गीय आशीष सिंह है। यह पुस्तक जल-जंगल के संघर्ष पर केन्द्रित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष श्री प्रभात मिश्रा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा, साहित्य अकादमी के अध्यक्ष श्री शशांक शर्मा सहित, पूर्व सांसद चुन्नीलाल साहू, साहित्यकार, स्वर्गीय आशीष सिंह जी के सुपुत्र उपमन्यु सिंह, अभिमन्यु सिंह मौजूद थे।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने पुस्तक का विमोचन कर कहा कि यह किताब शताब्दी वर्ष छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों द्वारा किए गए जल-जंगल के लिए किए गए सत्याग्रह पर आधारित है। ब्रिटिश शासनकाल के दौरान जल-जंगल के अधिकारों की रक्षा के लिए हुए संघर्ष को दर्शाता है। बस्तर से लेकर राजनांदगांव एवं राजनांदगांव से लेकर धमतरी के कंडेल में नहर सत्याग्रह की घटना को उजागर करती है। सन् 1920 में बाबू छोटे लाल श्रीवास्तव के अनुरोध पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को धमतरी आना पड़ा। राजनांदगांव जिले के बादराटोला में शहीद रामाधीन गोंड जिसका स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान था, उसके नाम पर राजनांदगांव शहर में रामाधीन मार्ग है। डॉक्टर सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी त्यागमूर्ति स्व. प्यारे लाल सिंह स्वर्गीय हरि ठाकुर के योगदान को स्मरण किया।

राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में जल-जंगल का संघर्ष शताब्दी वर्ष के रूप में सत्याग्रह किताब का विमोचन किया जा रहा है। स्वर्गीय आशीष सिंह ने इस किताब के जरिए स्वतंत्रता संग्राम के दौरान आंदोलन के समय के जल-जंगल के संघर्ष का विस्तार से वर्णन किया है, जिसमें धमतरी का कंडेल नहर सत्याग्रह, नत्थूजी जगताप, नारायण राव मेघावाले के संघर्ष और राजनांदगांव जिले के शहीद रामाधीन गोंड का बलिदान, पंडित सुन्दरलाल शर्मा का योगदान का चित्रण किया है।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की मौजूदगी में शुरू हुआ 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान'

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम के जरिए देशव्यापी 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान' का शुभारंभ किया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में भी अभियान की औपचारिक शुरुआत विभिन्न जिलों में की गई। सूरजपुर जिले में आयोजित राज्य स्तरीय महत्व के कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

सूरजपुर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, छात्र-छात्राओं, शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण देखा गया और उपस्थित सभी लोगों ने नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लेते हुए शपथ ग्रहण किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए विनाशकारी है। विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की केंद्रीय भूमिका है, इसलिए उन्हें अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और क्षमता का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से स्वयं नशामुक्त जीवन अपनाने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

प्राकृतिक आपदा से प्रभावित 4 परिवारों को कुल 16 लाख रूपए की मिलेगी आर्थिक सहायता'

रायपुर । छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी राजस्व पुस्तक परिपत्र खंड-6 क्रमांक-4 के प्रावधानों के तहत प्राकृतिक आपदाओं एवं नैसर्गिक विपत्तियों से होने वाली जनहानि के मामलों में प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इसी क्रम में जशपुर जिले में प्राकृतिक आपदाओं में हुई मृत्यु के 4 प्रकरणों में प्रभावित परिजनों के लिए कुल 16 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684